सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 40 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 23 नवंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

महाराष्ट्र और झारखंड सहित 15 राज्यों की 46 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर काउंटिंग

महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन को बंपर बहुमत झारखंड में बन रही झामुमो की सरकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के साथ 15 राज्यों की 46 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर काउंटिंग जारी है। दोपहर तक मिले रुझानों में भाजपा को महाराष्ट्र की जनता ने बंपर बहुमत दिया है। भाजपा गठबंधन यानी महायुति को 218 सीटों पर बढ़त मिल रही है। वहीं कांग्रेस पार्टी 55 व अन्य 15 सीटों पर आगे हैं। वहीं झारखंड में झामुमो गठबंधन एक फिर से सरकार बनाती दिख रही है। यहां झामुमो 51 सीटों पर और भाजपा 29 सीटें जीतती दिख रही हैं। वहीं अन्य के खाते में एक सीट जा रही है।

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के साथ 15 राज्यों की 46 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर 13 व 20 नवंबर को मतदान हुए। महाराष्ट्र चुनाव की चर्चा इस बार सबसे ज्यादा रही क्योंकि यहां पर शिवसेना व एनसीपी दो टुकड़ों में चुनाव लड़ रही थी। महायुति में भाजपा के साथ एकनाथ शिंदे की शिवसेना व अजित पवार की एनसीपी है। वहीं महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस के साथ शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना है। इस चुनाव में महाराष्ट्र की जनता ने दिखा दिया कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना की असली है। वहीं अजित पवार को एनसीपी को भी लोगों का साथ मिला है। महाराष्ट्र में प्रचंड बहुमत के बाद भाजपा कार्यालय में जश्न का महौल है तो कांग्रेस के खेमे में मायूसी छाई हुई है। हार के बाद यहां कांग्रेस गठबंधन ने एक बार फिर गड़बड़ी का राग अलापना शुरू कर दयिा है।

खबर लिखे जाने तक दलों की स्थिति

महाराष्ट्र कुल सीट 288		झारखंड कुल सीट 81	
महायुति 218 सीटों पर		झामुमो+ कुल 51 पर आगे	
भाजपा	124	झामुमो	31
शिवसेना	55	कांग्रेस	14
एनसीपी	37	राजद	4
अन्य	2	भाकपा-माले	2
महाविकास अघाड़ी 55 सीटों पर		भाजपा+ 29 सीटों पर आगे	
कांग्रेस	19	भाजपा	26
शिवसेना (यूबीटी)	19	आजसू	1
एनसीपी (शपा)	13	जदयू	1
अन्य	4	लोजपा-आर	1
निर्दलीय	15	निर्दलीय	1

रायपुर दक्षिण उपचुनाव : भाजपा के गढ़ को नहीं भेद पाई कांग्रेस, सुनील सोनी ने दर्ज की बड़ी जीत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की एक मात्र सीट रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी की जीत तय हो गई है। 13वें राउंड की काउंटिंग पूरी होने के बाद सुनील सोनी 28,220 वोटों से लीड पर रहे। भाजपा को 57,817 वोट और कांग्रेस को 29,597 वोट मिले हैं। इससे पहले 12वें राउंड में भाजपा को 53,382 और कांग्रेस को 26,852 वोट मिले थे। भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी महापौर एजाज ढेबर और प्रमोद दुबे के वार्ड में भी आगे रही। 13 राउंड की गिनती के बाद बीजेपी में जहां जश्न का माहौल है वहीं कांग्रेस भवन में सन्नाटा है। उपचुनाव में कांग्रेस कहीं से भी टक्कर की स्थिति नहीं रही। हर राउंड में भाजपा प्रत्याशी ने बढ़त बनाई और यह आगे बढ़ती ही गई। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा एक भी राउंड में आगे नहीं रहे।

खास-खबर

रायपुर में 2 बाइक चोर गिरफ्तार एंटी क्राइम यूनिट ने घर से दबोचा स्कूटी समेत बाइक भी बरामद

रायपुर। रायपुर में पुलिस की एंटी क्राइम यूनिट ने चोरी की बाइक को घर में रखकर ग्राहक की तलाश कर रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इस बात की पुलिस को भनक लग गई। इसलिए उन्होंने आरोपी को दबोच लिया। आरोपी के पास से दो बाइक भी बरामद किया गया है। यह पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

रायपुर एसएसपी संतोष सिंह के निर्देश पर एंटी क्राइम यूनिट और कोतवाली पुलिस गाड़ी चोरी करने वाले आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक आरोपी कबीरनगर निवासी रमेश यादव और क्क्स्क्क कॉलोनी निवासी अरसद खान अपने घर पर चोरी की बाइक रखे हुए हैं। वे बाइक बेचने के लिए लोगों से बातचीत कर रहे थे। जिसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपी ने पहले तो पुलिस को गोलमोल जवाब देकर गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी रमेश महानंद अपराधी प्रवृत्ति का है जो पूर्व में भी चोरी के प्रकरण में जेल में बंद रह चुका है। पुलिस ने आरोपी के पास से दो गाड़ी बरामद किया है। यह गाड़ी कोतवाली और तेलीबांधा थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। जिसकी कीमत करीब 1 लाख रुपए है।

दुर्ग बायपास में भीषण सड़क हादसा, एक की मौत

भिलाई। दुर्ग बाईपास में शुक्रवार देर शाम एक बड़ा हादसा हो गया। महाराष्ट्र के बीड़ से गाड़ी में पुरी जा रहा एक परिवार के 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं चालक अभिमान सार राव प्रभाले की मौके पर ही मौत हो गई। मोहन नगर पुलिस ने सभी घायलों को अलग-अलग अस्पतलाों में भर्ती कराया है। मोहन नगर थाना प्रभारी मोनिका पाण्डेय ने बताया कि घटना शुक्रवार देर शाम की है। महाराष्ट्र के बीड़ जिले से एक परिवार फोर्स गाड़ी में सवार होकर जगन्नाथपुरी दर्शन करने जा रहा था। जैसे ही वो लोग दुर्ग बाइक पास के पहुंचे उनकी गाड़ी सामने चल रहे ट्रक के पीछे जा घुसी। एसयूवी गाड़ी के चालक ने इतनी रफ्तार में ट्रक को ओवरटेक किया कि ट्रक से टकराते ही उसके परखच्चे उड़ गए। पूरे बाईपास पर चीख पुकार मच गई। वहां से गुजर रहे किसी राहगीर ने इसकी जानकारी डायल 112 में दी। सूचना मिलते ही वहां एंबुलेंस और पुलिस पहुंची। पुलिस ने मौके से भीड़ को हटाया। इसके बाद सबसे पहले घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। फिर गाड़ी में फंसे ड्राइवर के शव को बहर निकाला गया। हाईवे क्लीयर कराने के लिए क्रेन बुलवाई गई और दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी और ट्रक को सड़क से हटाया गया।

पर्थ टेस्ट में भारत की स्थिति मजबूत, आस्ट्रेलिया को 104 रनों पर समेटा, दूसरी पारी की शानदार शुरुआत

पर्थ (ए.)। पर्थ टेस्ट में पहली पारी में बिखरने वाली भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी 104 रन पर समेटने के बाद भारतीय टीम ने दूसरी पारी में शानदार शुरुआत की। खबर लिखे जाने तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाए 84 रन बना लिए थे। यशस्वी जायसवाल 42 रन और केएल राहुल 34 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे। भारत की ऑस्ट्रेलिया पर अब तक 130 रन की बढ़त भी हो चुकी थी। टीम इंडिया ने अपनी पहली पारी में 150 रन बनाए थे।

दूसरे दिन कंगारुओं ने सात विकेट पर 67 रन से आगे खेलना शुरू किया और 37 रन बनाने में बाकी तीन विकेट गंवाए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने अपनी पहली पारी में 150 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रन पर खत्म हुई। इस तरह से टीम इंडिया को दूसरी पारी में 46 रन की बढ़त हासिल है। ऑस्ट्रेलिया को शनिवार का पहला झटका एलेक्स कैरी के रूप में लगा। उन्हें बुमराह ने विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। कैरी 21 रन बना सके। इसके बाद नाथन लियोन हर्षित राणा का शिकार हुए। वह पांच रन बना सके। ये दोनों विकेट भारत ने शुरुआती एक घंटे के अंदर ले

लिए थे। हालांकि, स्टार्क और जोश हेजलवुड की आखिरी जोड़ी को आउट करने में टीम इंडिया को एक घंटे लगे। स्टार्क और हेजलवुड ने 10वें विकेट के लिए 110 गेंद में 25 रन की साझेदारी की। स्टार्क ने 112 गेंद में दो चौके की मदद से 26 रन बनाए। उन्हें हर्षित ने ही शिकार बनाया। हेजलवुड सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही थी। तीसरे ही ओवर में बुमराह ने नाथन मैकस्वीनी को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह 10 रन बना सके। इसके बाद बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को कोहली के हाथों कैच कराया, फिर अगली ही गेंद पर स्टीव स्मिथ को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। ख्वाजा आठ रन और स्मिथ खाता नहीं खोल सके। ट्रेविस हेड को डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने क्लीन बोल्ड किया। वह 11 रन बना सके। वहीं, मिचेल मार्श छह रन बनाकर मोहम्मद सिराज का शिकार बने। सिराज ने इसके बाद लाबुशेन को एल्बीडब्ल्यू किया। वह 52 गेंद में दो रन बना सके। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को भारतीय कप्तान बुमराह ने पंत के हाथों कैच कराया। वह तीन रन बना सके। फिलहाल एलेक्स कैरी 19 रन और मिचेल स्टार्क छह रन बनाकर नाबाद हैं। बुमराह के अलावा हर्षित राणा ने तीन विकेट और सिराज ने दो विकेट लिए।

छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड से दो लोगों की मौत, दुर्ग भिलाई रहा सबसे गर्म, मैनपाट में पारा 6 डिग्री

- **मौसम विभाग का अनुमान, आनेवाले चार पांच दिनों में और गिरेगा पारा**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी है। आने वाले चार-पांच दिनों 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। वहीं कड़ाके की ठंड के बीच 2 लोगों की मौत हो गई। पहली मौत अंबिकापुर में शुक्रवार और दूसरी मौत बिलासपुर में हुई है। वहीं मैनपाट 6 डिग्री के साथ सबसे ठंडा और दुर्ग 30.4 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा।

मौसम विभाग ने मुताबिक उत्तर से आने वाली ठंडी हवाओं के चलते अगले 24 घंटों में बलरामपुर, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, सरगुजा समेत 5 जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है।वहीं इस महीने के अंत तक रायपुर का तापमान 14 डिग्री तक पहुंचने के आसार हैं।

सरगुजा संभाग के जिलों में पिछले दो-तीन दिन से लगातार कड़ाके की ठंड पड़ रही है। यहां कई जगहों पर शीतलहर चल रही है। प्रदेश के शेष हिस्सों में भी अच्छी-खासी ठंड महसूस की जा रही है। मौसम विभाग ने सोमवार से बस्तर और सरगुजा संभाग के कई जिलों में शीत लहर पड़ने की भी संभावनाएं जताई है। राजधानी रायपुर में गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी है यहां रात के साथ-साथ दिन के भी तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग की माने तो आज न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहेगा तो वहीं अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक प्रदेश में ठंड बनी रहने की संभावना जताई है। तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा। प्रदेश के उत्तरी हिस्से के मैनपाट 6 डिग्री, सामरी और बलरामपुर समेत कई शहरों में रात का तापमान 6-8 डिग्री के बीच चल रहा है। वहीं बीते 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान दुर्ग में 30.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

दिन में भी हो रही ठंडक

मौसम विभाग की माने तो आज न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहेगा तो वहीं अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। सरगुजा बस्तर संभाग के जिलों में दिन में भी ठंडक महसूस होने लगी है। दोपहर तीन बजे के बाद से ही तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हेलन केलर अवार्ड से सम्मानित कलाकार बसंत साहू को दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आत्मविश्वास से परिपूर्ण और अनेक बच्चों और युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत का कार्य कर रहे धमतरी जिले के कुरूद में रहने वाले दिव्यांग समाजसेवी और चित्रकार श्री बसंत साहू को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने फोन करके जन्मदिन की बधाई देने के साथ ही हेलन केलर अवार्ड 2024 से सम्मानित होने पर बधाई दी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने श्री बसंत साहू को जन्मदिन और सम्मान के लिए बधाई देते हुए कहा कि आपको हेलेन केलर अवार्ड 2024 प्राप्त होने की सूचना समाचार के माध्यम से मिली। आपकी इस उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत बधाई। मुख्यमंत्री श्री साय ने आत्मीयतापूर्ण चर्चा के दौरान बसंत साहू से कहा कि जल जगार कार्यक्रम में आपसे

मुलाकात हुई थी। हमे आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा था।आपने साबित किया है कि कठिनाईयां केवल मानसिक चुनौतियां है। दृढ़ संकल्प से बड़े से बड़े लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। बसंत साहू ने कहा कि मेरा उद्देश्य समाज में समावेशिता और समानता लाना है, ताकि प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर मिल सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आपके इस जज्बे व उपलब्धि से हम गौरवान्वित हैं। आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं। समाजसेवी बसंत साहू ने मुख्यमंत्री श्री साय के उत्साहवर्धन के लिए आभार व्यक्त क्या और कहा कि वे इसी प्रकार अपने प्रयासों से आने वाले भविष्य और बच्चो के लिए एक बेहतर समाज के निर्माण में अपना योगदान देते रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि समाजसेवी बसंत साहू को उनके द्वारा दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा और समाज में समान अवसर दिलाने के लिए किए गए अद्वितीय कार्यों के लिए हेलन केलर अवार्ड प्रदान किया गया है। उन्होंने अपनी कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक कला, परंपराओं और सामाजिक मुद्दों को जीवंत रखा है। उनके चित्रों में छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य, पारंपरिक परिधान और समाज की समकालीन समस्याओं का समावेश है।

संपादकीय

रैगिंग का रोग

गुजरात में पाटन जिले के जीएमईआरएस मेडिकल कॉलेज के प्रथम वर्ष के छात्र अनिल मेथानिया की कथित रैगिंग से हुई मौत दर्दनाक तो है ही, शर्मसार करने वाली भी है। आखिर रैगिंग पर पाबंदी के बाद भी ऐसी घटनाएं कैसे घट जा रही हैं? पिछले दो वर्षों में अकेले गुजरात में रैगिंग की आठ घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

> ***अभी तीन दिन पहले इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज का एक वाकया सामने आया था, जिसमें पीजी छात्र अभिषेक मसीह ने लगातार रैगिंग की वजह से अपनी सीट छोड़ने का फैसला किया, मगर कॉलेज प्रबंधन ने अभिषेक के साथ संवेदनशील व्यवहार करने और उसे इंसाफदिलाने के बजाय उसके मूल प्रमाणपत्र लौटाने से ही इनकार कर दिया और इसके लिए उससे पहले 30 लाख रुपये की बॉन्ड राशि चुकाने की मांग कर डाली। अंततः अभिषेक को हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ी, जहां से उसे राहत मिली। अदालत ने कॉलेज डीन को न सिर्फफौरन दस्तावेज लौटाने का आदेश दिया, बल्कि अपनी कार्रवाई के संबंध में बाकायदा अदालत को सूचित करने की हिदायत भी दी।***

अठारह साल के अनिल मेथानिया ने तो महज एक महीने पहले दाखिला लिया था। खबरों के मुताबिक, सीनियर छात्रों ने तीन घंटे तक उसे खड़ा रखा और फिर डांस करने को मजबूर किया, जिसके बाद वह बेहोश होकर गिर पड़ा और थोड़ी देर में ही उसकी मृत्यु हो गई। अब 15 सीनियर मेडिकल छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, बल्कि उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया गया है और कॉलेज ने उन सबको सस्पेंड भी कर दिया है। निस्संदेह, दोषी छात्रों के खिलाफ कार्रवाई हो, मगर कॉलेज प्रबंधन को क्यों बख्शा जाना चाहिए? अनिल को मौत के मुंह में धकेलने का जिम्मेदार कॉलेज प्रबंधन भी कम नहीं है। आखिर कॉलेज में रैगिंग जारी है, इस बात से प्रबंधन कैसे गाफिल रहा? बताया जा रहा है कि सभी आरोपी एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्र हैं। यह जीएमईआरएस कॉलेज प्रबंधन की बड़ी नाकामी है कि वह इतने दिनों में इन नौजवानों को मानवीयता का बुनियादी पाठ भी न पढ़ा सकी। इसलिए जिम्मेदारी सिर्फ आरोपी छात्रों की नहीं, बल्कि कॉलेज प्रशासन के संबंधित ओहदेदारों की भी तय होनी चाहिए।

रैगिंग से होने वाली मौतों व हत्याओं ने अब तक न जाने कितने घरों के दीपक बुझा दिए हैं और अनिल की मौत बता रही है कि इस सिलसिले को तोड़ना अब कितना जरूरी हो गया है। यह बताने की जरूरत नहीं कि कितने परिश्रम के बाद एक किशोर एमबीबीएस की परीक्षा पास करता है। फिर उसके सपने यूं खत्म हो जाएं, तो यह सिर्फ उसका व उसके परिवार का नुकसान नहीं, बल्कि समूचे देश का घाटा है। खासकर तब, जब हमें ज्यादा से ज्यादा डॉक्टरों की दरकार है, ताकि अपने नागरिकों को स्तरीय चिकित्सा सेवा मुहैया करा सकें। वैसे तो रैगिंग कहीं पर, किसी भी रूप में अवैधानिक है, फिर मेडिकल कॉलेजों में तो यह कहीं ज्यादा बड़ा गुनाह है। आखिर जिन डॉक्टरों में हम ईश्वर का दूसरा अक्स देखते हैं, वे साल-दो साल की पढ़ाई के बाद भी इतने संवेदनहीन कैसे बने रहते हैं कि अपने ही जूनियर साथी की जिंदगी से खेल जाते हैं? ऐसे डॉक्टर डिग्री लेकर मरीजों की, खासकर हाशिये के रोगियों की किस संवेदनशीलता से इलाज करेंगे? रैगिंग के खिलाफएक राष्ट्रीय अभियान की त्वरित आवश्यकता है, ताकि अनिल जैसी कीमती प्रतिभाएं यूं न मारी जाएं।

थाली में भी कटौती करने पर मजबूर

महंगाई बढ़ने और उसके अनुरूप आमदनी ना बढ़ने पर पहली कोशिश भोजन को अप्रभावित रखने की होती है। जब भारत में बहुत से लोग थाली में भी कटौती करने पर मजबूर हैं, तब बाकी उपभोग पर उसकी मार पड़ना लाजिमी है।

मार्केट रेटिंग फर्म क्राइसिल की थाली की लागत के बारे में ताजा रिपोर्ट फिर से इस हकीकत पर रोशनी डालती है कि भारत में आम इनसान की जिंदगी कितनी मुहाल होती जा रही है। क्राइसिल का ताजा अनुमान है कि सिर्फ एक महीने- अक्टूबर में शाकाहारी थाली की औसत लागत 20 प्रतिशत बढ़ी। बढ़ोतरी का ये सिलसिला लंबा हो चुका है। मांसाहारी थाली की लागत में पिछले महीनों में जरूर कुछ गिरावट देखी गई थी, लेकिन वो सिलसिला अक्टूबर में टूट गया। बीते महीने मांसाहारी थाली की लागत पिछले वर्ष के अक्टूबर की तुलना में पांच प्रतिशत बढ़ गई।

क्राइसिल के मुताबिक थाली की कुल कीमत में सब्जियों का हिस्सा 40 प्रतिशत होता है। अक्टूबर में प्याज और आलू के दाम में क्रमशः 46 और 51 फीसदी का इजाफा हुआ। अक्टूबर 2023 में टमाटर औसतन 29 रुपये किलोग्राम उपलब्ध था, जबकि बीते अक्टूबर में यह औसतन 64 रुपये किलो बिका। बेशक इन सब्जियों के दाम आने वाले हफ्तों में गिरेंगे। उससे थाली की औसत लागत में राहत मिल सकती है। मगर अक्टूबर में दालें 11 प्रतिशत और खाद्य तेल 10 प्रतिशत महंगे हुए। ऐसी वस्तुओं की कीमत में जो वृद्धि हो जाती है, वह शायद ही कभी आगे जाकर घटती है। सिर्फ अक्टूबर की इस सूरत से समझा जा सकता है कि आम लोगों के आम उपभोग में क्यों गिरावट आई है, जिससे अब कॉरपोरेट सेक्टर की बड़ी कंपनियों की बिक्री भी प्रभावित होने लगी है।

किसी भी परिवार में महंगाई बढ़ने और उसके अनुरूप आमदनी ना बढ़ने पर पहली कोशिश भोजन को अप्रभावित रखने की होती है। जब भारत में बहुत से लोग थाली में भी कटौती करने पर मजबूर हैं, तब बाकी उपभोग पर उसकी मार पड़ना स्वाभाविक है। मगर दुखद यह है कि इस थाली की प्रभु वर्ग में किसी को चिंता नहीं है। राजनीतिक दलों में जाति और मजहबी पहचान की सियासत से चुनावों में अपनी बैतरणी पार करने का भरोसा अटूट बना हुआ है, जबकि मीडिया का सारा विमर्श इस सायास कोशिश से प्रेरित है कि ऐसे मुद्दों को चर्चा से दूर रखा जाए। नतीजा आम लोग भुगत रहे हैं।

(आरएनएस)

नजरिया

जीवाश्म ईंधन के मुद्दे पर छाई है निराशा

आज कल कश्यप सागर के पश्चिमी तट पर स्थित अजरबैजान की राजधानी बाकू में जीवाश्म ईंधन के उत्सर्जन पर अंकुश के लिए कॉप-29 शिखर सम्मेलन चल रहा हैं। इस देश में यह सम्मेलन इसलिए आयोजित हैं, क्योंकि यहां तापमान के लगातार बढ़ने और हिमखंडों के पिघलने के चलते तटीय बस्तियां डूबने की आशंकाएं जताई जा रही हैं। अतएव यहां का बंदरगाह, तेल खनन क्षेत्र और तटीय बस्तियां कई किमी दूर तक डूब जाने की शंका है। यह शंका तब और बढ़ गई, जबसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुन लिए गए हैं। क्योंकि ट्रंप जीवाश्म ईंधन के प्रबल पक्षधर रहे हैं। इसलिए वे पर्यावरण संकट को कोई खतरा न मानते हुए इसे पर्यावरणविदों द्वारा खड़ा किया गया एक हौवा भर मानते है।

प्रमोद भार्गव

ट्रंप और उनके समर्थक नेताओं का समूह अधिकतम जीवाश्म ईंधन पैदा करने की वकालत करते रहे हैं। इधर ब्राजील में चल रहे संपन्न देशों के संगठन जी-20 में भी इस संकट से निपटने के लिए पूंजीपति देशों से आर्थिक मदद की गुहार का भी कोई परिणाम निकलता नहीं दिख रहा है। अतएव बाकू सम्मेलन में निराशा के चलते दुनिया के अस्तित्व पर मंडराते बहुआयामी खतरों से निपटने की उम्मीद कम ही है।

जलवायु सम्मेलन कॉप-29 में कोयले, तेल और गैस अर्थात जीवाश्म ईंधन का उपयोग धीरे-धीरे खत्म करने की पैरवी पर्यावरण विज्ञानी कर रहे हैं, जिससे बढ़ते वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक केंद्रीत किया जा सके। अनेक देशों ने 2030 तक दुनिया की नवीनीकरण योग्य ऊर्जा को बढ़ाकर तीन गुना करने के सुझाव दिए हैं। इसके अंतर्गत अक्षय ऊर्जा के प्रमुख स्त्रोत सूर्य, हवा और पानी से बिजली बनाना है। इस सिलसिले में प्रेरणा लेने के लिए ऊरुग्वे जैसे देष का उदाहरण दिया गया, जो अपनी जरूरत की 98 फीसदी ऊर्जा इन्हीं स्त्रोतों से प्राप्त करता है। लेकिन यह एक अपवाद हैं, हकीकत यह है कि यूक्रेन और रूस तथा इजरायल और हमास के बीच चलते भीषण युद्ध के कारण कोयला जैसे जीवाश्म ईंधन से ऊर्जा उत्पादन का प्रयोग बढ़ा है और बिजली उत्पादन के जिन कोयला संयंत्रों को बंद कर दिया गया था। उनका उपयोग फिर से शुरू हो गया है।

2018 ऐसा वर्ष था, जब भारत और चीन में कोयले से बिजली उत्पादन में कमी दर्ज की गई थी। नतीजतन भारत पहली बार इस वर्श के 'जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक' में शीर्ष दस देशों में शामिल हुआ था। वहीं अमेरिका सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में शामिल हुआ था। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में 'कॉप 25' जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में यह रिपोर्ट जारी की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार 57 उच्च कार्बन उत्सर्जन वाले देशों में से 31 में उत्सर्जन का स्तर कम होने के रुझान इस रिपोर्ट में दर्ज थे। इन्हीं देशों से 90 प्रतिशत कार्बन का उत्सर्जन होता रहा है। इस सूचकांक ने तय किया था कि कोयले की खपत में कमी सहित कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। इस सूचकांक में चीन में भी मामूली सुधार हुआ था। नतीजतन वह तीसवें स्थान पर रहा था। जी-20 देषों में ब्रिटेन सातवें और भारत को नवीं उच्च श्रेणी हासिल हुई थी। जबकि आस्ट्रेलिया 61 और सऊदी अरब 56वें क्रम पर रहे थे। अमेरिका खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में इसलिए आ गया था, क्योंकि उसने जलवायु परिवर्तन की खिल्ली उड़ाते हुए इस समझौते से बाहर आने का निर्णय ले लिया था। इस समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप थे। हकीकत है कि अमेरिका ने वास्तव में कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण के कोई प्रयास ही नहीं किए। दुनिया की लगभग 37 प्रतिशत बिजली का निर्माण थर्मल पावरों में किया जाता है। इन संयंत्रों की भट्टी में कोयले को झोंका जाता है, तब कहीं जाकर बिजली का उत्पादन होता है। दो युद्धों के चलते कोयले से बिजली उत्पादन पर निर्भरता बढ़ती दिखाई दे रही है।

ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1500 ईसवीं में बड़ी मात्रा में कोयले के उत्खनन की शुरूआत हुई थी। इसके बाद जिन देशों में भी कारखाने लगे, उनमें लकड़ी और कोयले का प्रयोग लंबे समय तक होता रहा। दुनिया की रेलें भी कोयले से ही लंबे समय तक चलती रही हैं। भोजन पकाने, ठंड से बचने और उजाले के उपाय भी लकड़ी जलाकर किए जाते रहे हैं। अतएव धुएं के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन और धरती के तापमान में वृद्धि की षुरुआत औद्योगिक क्रांति की बुनियाद रखने के साथ ही आरंभ हो गई थी। इसके बाद जब इन दुष्प्रभावों का अनुभव पर्यावरणविदों ने किया तो 14 जून 1992 में रियो डी जनेरियो में पहला अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप जापान के क्योटो शहर में 16 फरवरी 2005 को पृथ्वी के बढ़ते तापमान के जरिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए क्योटो प्रोटोकॉल अंतरराष्ट्रीय संधि अस्तित्व में आई। इस संधि में शामिल देशों ने ग्रीन हाउस अर्थात मानव उत्सर्जित गैसों को कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। दुनिया के वैज्ञानियों ने एक राय होकर कहा कि मानव निर्मित गैस सीओ-2 के उत्सर्जन से धरती का तापमान बढ़ रहा है, जो जीवाश्म ईंधन का पर्याय है। 192 देषों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए हुए हैं।

लेकिन वर्तमान में चल रहे दो भीषण युद्ध ने हालात बदल दिए हैं। नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत-चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन 40 देशों ने कोयले से पल्ला झाड़ लेने का भरोसा दिया था। 20 देशों ने विश्वास जताया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को बंद कर दिया जाएगा। आस्ट्रेलिया के सबसे बड़े कोयला उत्पादक व निर्यातक रियो टिंटो ने अपनी 80 प्रतिशत कोयले की खदानें बेच दीं थीं, क्योंकि भविश्य में कोयले से बिजली उत्पादन बंद होने के अनुमान लगा लिए गए थे।

इन बदलते हालातों में हमें जिंदा रहना है तो जिंदगी जीने की शैली को भी बदलना होगा। हर हाल में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करनी होगी। यदि तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है तो कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिषत कमी लानी होगी। आईपीसीसी ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्ष के रूप में रेखांकित किया हुआ है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है। गोया, कार्बन उत्सर्जन की दर नहीं घटी और तापमान में 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है तो असमय अकाल, सूखा, बाढ़ और जंगल में आग की घटनाओं का सामना निरंतर करते रहना पड़ेगा। बढ़ते तापमान का असर केवल धरती पर होगा, ऐसा नहीं है। समुद्र का तापमान भी इससे बढ़ेगा और कई शहरों के अस्तित्व के लिए समुद्र संकट बन जाएगा। इसी सिलसिले में जलवायु परिवर्तन से संबंधित संयुक्त राष्ट्र की अंतर-सरकारी समिति की ताजा रिपोर्ट के अनुसार सभी देश यदि जलवायु बदलाव के सिलसिले में हुई क्योटो-संधि का पालन करते हैं, तब भी वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 2010 के स्तर की तुलना में 2030 तक 10.6 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी। नतीजतन तापमान भी 1.5 से ऊपर जाने की आशंका बढ़ गई है। चूंकि विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन के लिए जीवाश्म ईंधन पर निर्भर हैं, इसलिए उन्हें कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए विकसित देशों से आर्थिक मदद की जरूरत है। 'एडॉप्टेशन गैस रिपोर्ट-2023 अंडर फायनेंस' में कहा गया है कि वर्तमान में वैष्विक स्तर पर एडॉप्टेषन अर्थात अनुकूलन के लिए जितनी वित्तीय मदद की जा रही है, उससे कहीं अधिक दस से 18 गुना आर्थिक मदद की जरूरत है। लेकिन मदद की यह पुकार नक्कारखाने की तूती साबित हो रही है।

(ये लेखक के विचार हैं)

डोनाल्ड ट्रम्प की विजय और भारत

सुरेश हिंदुस्तानी

अमेरिका में रिपब्लिकल पार्टी की ऐतिहासिक विजय के बाद अब यह तय हो गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिका का इतिहास बताता है कि ट्रम्प की यह जीत उनकी ऐतिहासिक वापसी है। अमेरिका में यह विजय किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, ज़ब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए। इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रम्प अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बना दिया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ किसी भी प्रकार से सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। हालांकि अमेरिकी मीडिया के एक वर्ग ने तो उनको भावी राष्ट्रपति के रूप में प्रचारित कर दिया। लेकिन यह नैरेटिव भी उनके लिए जीत का मार्ग नहीं बना सका। यहां एक ख़ास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया। ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके, लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी।

वैश्विक राजनीति के जानकार डोनाल्ड ट्रम्प की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रम्प की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रम्प के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रम्प का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। इसका तात्पर्य यही है कि आज का भारत विश्व के लिए एक ताकत बन चुका है।

अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यहां तक कि उनको सनकी और विलेन कहने में भी गुरेज नहीं किया गया। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनावों में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी आख़िरकार नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। अब ऐसा लगने लगा है कि मतदाता बहुत समझदार हो गया है। उसको किसी भी प्रकार से भ्रमित नहीं किया जा सकता। उसे अब देश दुनिया की समझ हो गई है, इसलिए वह वर्तमान के साथ कदम मिलाकर चलने की ओर अग्रसर हुआ है।

विश्व के कई देश आज कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। कोरोना के बाद कई देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, उसे पटरी पर लाने के लिए उस देश की सरकार की ओर से भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। इन समस्याओं में कई समस्याएं ऐसी हैं, जो सबके सामने हैं। आतंकवाद एक विकराल समस्या बनता जा रहा है। अमेरिका भी इससे ग्रसित है। रूस और यूक्रेन की बीच तनातनी कम नहीं हो रही। इजराइल और हमास के बीच युद्ध जैसे हालात हैं। अमेरिका में ट्रम्प के पुनः राष्ट्रपति बनने के बाद यह लग रहा है कि अब आतंक के सहारे भय का वातावरण बनाने वाले किसी भी कदम को पूरे जोश के साथ रोकने का प्रयास किया जाएगा।

अमेरिका में ट्रम्प की जीत से भारत के पड़ोसी देश यानि पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश में सुगबुगाहट प्रारम्भ हो गई है, क्योंकि यह देश भारत को हमेशा अस्थिर करने की फिराक में रहते हैं। हम वह वाकिया अभी तक भूले नहीं हैं, ज़ब अमेरिका ने आतंक के विरोध में बड़ी कार्यवाही को अंजाम देते हुए ओसामा बिन लादेन को मौत के घाट उतार दिया था, हालांकि उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा थे, लेकिन आतंक के विरोध में ट्रम्प का भी वैसा ही रवैया माना जा सकता है। इसी प्रकार चीन के समक्ष भी स्थिति पैदा होती दिखाई दे रही है। हम जानते हैं कि अमेरिका हमेशा से ही पाकिस्तान से आतंक के विरोध में कार्यवाही करने के लिए कहता है, लेकिन जो देश आतंक के आकाओं के सहारे ही चल रहा हो, वह आतंक के विरोध में कैसे कार्यवाही कर सकता है। अब अमेरिका में ट्रम्प के पुनः आने के बाद इस बात की संभावना बढ़ गई है कि अब पाकिस्तान दिखावे के लिए ही सही, लेकिन आतंक के आकाओं के खिलाफएक्शन लेगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

31 लाख से 53 लाख सदस्य मतलब रिकार्ड बन गया

सुनील दास

किसी भी राजनीतिक दल के बड़े व राष्ट्रीय होने का पता इस बात से चलता है कि उसके किस राज्य में कितने सदस्य हैं। देश के ज्यादातर राजनीतिक दल तो अपनी सदस्य संख्या नहीं बताते हैं। ताकि लोगों की पता न चले कि यह दल कितना बड़ा है। देश के ज्यादातर दल परिवारवादी दल होते हैं, इसलिए वह एक राज्य तक ही खुश रहते हैं, उनके लिए एक राज्य में जितने भी सदस्य बने हैं, या बनाए गए है, वह उससे खुश रहते हैं, ज्यादातर परिवारवादी दल तो चाहते ही नहीं है कि उनकी सदस्य संख्या बहुत ज्यादा बढ़े क्योंकि ज्यादा सदस्य संख्या होगी तो पार्टी के भीतर परिवार के खिलाफ भी कोई आवाज उठा सकता है। वह परिवारहित की जगह पार्टी हित की बात कर सकता है, जैसा कांग्रेस में हुआ जिन जिन लोगों ने कांग्रेस में गांधी परिवार के हित की जगह पार्टी हित की बात, उनको पार्टी छोड़ने को मजबूर कर दिया गया या उन लोगों ने पार्टी छोड़ दी।

परिवारवादी दल अपनी सदस्य कम रखना चाहते हैं, ताकि जो भी पार्टी में है वह परिवार की बात माने, पार्टी की चिंता मत करे, पार्टी तो परिवार की है, वह अपनी पार्टी की चिंता कर लेगी। पार्टी की सदस्य संख्या से पता चलता है कि पार्टी के सदस्य पहले कितने थे, अब कितने हैं, कितने नए सदस्य बने हैं किस राज्य में पार्टी के ज्यादा सदस्य है, सदस्यता अभियान से ही पता चलता है पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों की कदर करती है, पहले सदस्य बनाती है, फिर वह चुनाव कराती है और पूरे देश में संगठन का नया ढांचा होता है, ज्यादातर राजनीतिक दल यह करते नहीं है, क्योंकि उनकी पार्टी में परिवार की तानाशाही चलती है, अध्यक्ष का चुनाव भी होगा तो पहले बता दिया जाएगा कि अध्यक्ष फलाने को ही चुनना है। यानी अध्यक्ष परिवार से अलग होगा वह परिवार की पसंद होगा।

देश में संभवतः भाजपा ही एक ऐसी पार्टी रह गई है तो सदस्यता अभियान चलाती है, सारे लोग फिर से सदस्य बनते हैं, नए लोगों को भी सदस्य बनाया जाता है। पुराने लोगों को हर राज्य में लक्ष्य दिया जाता है कि राज्य में भाजपा के इतने सदस्य होने चाहिए। भाजपा ने छत्तीसगढ़ में सदस्यता अभियान चलाया और उसने नया इतिहास रच दिया है। उसके 53 लाख सदस्य बन चुके हैं, यह 31 लाख से लगभग दुगुना है, छत्तीसगढ़ भाजपा को पहले पचास लाख का लक्ष्य दिया गया था, फिर बाद में लक्ष्य बढ़ाकर साठ लाख कर दिया गया। भाजपा को छत्तीसगढ़ में बहुत बड़ा लक्ष्य दिया गया था, वह आंकड़ों के हिसाब से तो लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकी लेकिन 53लाख सदस्य बनाना भी बहुत बड़ी बात है, यह बड़े से बड़े नेता और छोटे से छोटे से नेता की मेहनत का परिणाम है।

इस बार राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को दस करोड़ नए सदस्य जोड़ने है, इसमें छत्तीसगढ़ का योगदान 53 लाख का है। दावा किया जाता है कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है, यदि वह दस करोड़ नए सदस्य जोड़ने में सफल हो जाती है तो उसकी सदस्य संख्या बढ़कर 18 करोड़ से 28 करोड़ हो जाएगी। चुनाव जीतने में पार्टी के सदस्यों की भूमिका भी अहम होती है क्योंकि पार्टी के जितने ज्यादा सदस्य होते है, प्रचार अभियान कहीं भी चलाने में कोई दिक्कत नहीं होती है,कम समय में काम किया जा सकता है। पार्टी की बात जल्द से जल्द लोगों तक पहुंचाई जा सकती है। दूसरे राजनीतिक दलों व भाजपा में यही बड़ी फर्क है कि भाजपा का संगठन निचले स्तर पर जितना विशाल है, ऊपरी स्तर पर उतना ही अनुशासित। पार्टी ने एक बार फैसला कर लिया मतलब होता है कि उसे पार्टी के लिए मानना जरूरी है।

पार्टी का जितना विशाल ढांचा होता है वह देश के किसी गांव की खबर भी भाजपा मुख्यालय जल्द से जल्द पहुंचा सकता है। यानी चाहे ऊपर से नीचे खबर भिजवाना हो या नीचे से ऊपर कोई खबर भिजवानी हो भाजपा में इस काम में वक्त नहीं लगता है, इसलिए पार्टी हमेशा अपडेट रहती है। इसके अलावा मोदी भी अपने कार्यकर्ताओं व नेताओं से इसी तरह जुड़े रहते हैं फीड बैक लेते रहते हैं। भाजपा में कई स्तरों पर नेटवर्क है, एक भाजपा संगठन का है, एक पीएम मोदी का है, एक आरएसएस का है। इसलिए कोई भी निर्णय लेना हो भाजपा तुरंत ले पाती है और हमेशा दूसरे दलों से आगे रहती है।संगठन मजबूत हो तो चुनाव जीतना भी तो आसान होता है, दूसरे राजनीतिक दल चुनाव हारते इसलिए भी है कि उनका संगठन जमीनी स्तर पर कमजोर रहता है और वह उसे मजबूत करना ही नहीं चाहते हैं। इस आधार पर कहा जा सकता है कि भाजपा संगठन की मजबूती जितना ध्यान देती है दूसरे राजनीतिक दल नहीं देते हैं।

(ये लेखक के विचार हैं)

रमन आई. टी. आई.
Affiliated By N.C.V.T. & D.G.T. R.N.-6/35/4/2016
बाबा दीप सिंह नगर, वैशाली नगर, भिलाई
कोपा
TALLY & GST FREE
कम्प्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट
पाठ्यक्रम अवधि -1 वर्ष
100% JOB ORIENTED
स्टेनो
हिन्दी
पाठ्यक्रम अवधि -1 वर्ष
TALLY & GST FREE
ADMISSION OPEN
7773027492, 7389471941
शासन द्वारा छात्रवृत्ति

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन 11 दिसम्बर तक

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना है। इसके अंतर्गत नगर पालिक निगम भिलाई के वार्ड 26 सुन्दर नगर कोहका–1 में आंगनबाड़ी सहायिका पद पर आवेदन आमंत्रित किया गया है। आवेदन संबंधित ग्राम/वार्ड की आवेदिकाओं द्वारा आवेदन पत्र भरकर निर्धारित तिथि में 27 नवम्बर से 11 दिसम्बर 2024 तक आवेदिका द्वारा एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय भिलाई–01 में कार्यालयील समय 10 बजे से शाम 5.30 बजे तकसीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा जमा किये जाएंगे। सीधे कार्यालय में जमा करने की दशा में आवेदन बंद लिफाफे में देना है। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएंगे। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई–01 के परियोजना अधिकारी से मिली जानकारी अनुसार आंगनबाड़ी सहायिका के पद हेतु निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होना चाहिए। एक वर्ष या अधिक सेवा अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी। सेवा की अधिकतम आयु 65 वर्ष होगी। आवेदिका उसी ग्राम की स्थानीय निवासी होनी चाहिए जिस ग्राम में आंगनबाड़ी केन्द्र स्थित है। शहरी क्षेत्रों में आवेदिका उसी वार्ड की निवासी होना चाहिए। सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्व–प्रमाणित प्रति के साथ आवेदन पत्र संबंधित एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय में निर्धारित अंतिम तिथि तक सीधे अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रस्तुत किया जा सकता है।

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 29 नवम्बर को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग द्वारा जिले में नियोजक द्वारा उपलब्ध रिक्त पदों को भरने के लिए प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 29 नवम्बर को सुबह 10.30 बजे से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग में किया जाएगा। प्लेसमेंट कैम्प में नियोजक स्क्वायर बिजनेस सर्विस प्राईवेट लिमिटेड में 250 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग के उप संचालक आर.के.कुर्रे के अनुसार इच्छुक आवेदक समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण एवं अंकसूची, पहचान पत्र (मतदाता परिचय पत्र, आधार कार्ड, पेन कार्ड, ड्रायविंग लाइसेंस, राशन कार्ड) रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छ.ग.निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र के साथ उपस्थित हो सकते हैं। पदों, योग्यता, आयु एवं अनुभव से संबंधित जानकारी आवेदक प्लेसमेंट कैम्प स्थल पर प्राप्त कर सकते हैं।

हमारा शौचालय-हमारा सम्मान अभियान अंतर्गत हितग्राही हुए सम्मानित

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत घुघवा (क), जनपद पंचायत पाटन में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। एडीएम अरविंद एक्का ने हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान अंतर्गत शौचालय निर्माण कार्य पूर्ण कर चुके हितग्राहियों को प्रोत्साहन राशि का प्रतिकात्मक चेक प्रदान कर सम्मानित किया। राशि का हस्तांतरण डी.बी.टी. के माध्यम से की जाएगी। जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे ने हितग्राहियों को शौचालय का नियमित उपयोग एवं ठोस व तरल अपशिष्ट का उचित प्रबंधन कर ग्राम में ओ.डी.एफ प्लस के स्थायित्व को बनाए रखने हेतु अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान शाला के विद्यार्थियों द्वारा हाथ धुलाई गतिविधि का प्रदर्शन किया गया।

जनसमस्या निवारण शिविर में 91 आवेदन निराकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम घुघवा (क) में आज आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों को प्राप्त 144 आवेदनों में से मौके पर 91 आवेदन का निराकरण विभागीय अधिकारियों द्वारा किया गया। शेष 53 आवेदन के निराकरण के लिए समय सीमा निर्धारित की गई है। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में ग्रामीण जनता की समस्याओं के निराकरण के लिये आयोजित इस शिविर में समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी एवं कर्मचारीगण सम्मलित हुए।

शिविर में संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी अरविन्द एक्का, एएसपी सुखनंदन राठौर एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि विशेष रूप से मौजूद थे। शिविर का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के तैल चित्र में माल्यार्पण एवं समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

शिविर में शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, खाद्य, स्वास्थ्य, कृषि, उद्यानकी, मत्स्य, पशुपालन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, सहकारिता, जल संसाधन, पीएचई, विद्युत, समाज कल्याण, आयुष, जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, आदिम जाति जनजाति कल्याण, परिवहन, जिला योजना एवं सांख्यकी, अंत्याव्यवसायी, राजस्व विभाग के अधिकारियों ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इसी कड़ी में क्रेडा विभाग द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना हेतु आवेदन की प्रक्रिया बतायी गई और श्रम विभाग द्वारा श्रमिक बीमा, पंजीयन एवं छात्रवृत्ति योजना की जानकारी दी गई।

शिविर में विभिन्न विभागों के संबंधित 55 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 05 हितग्राही क्रमशः उषा बंजारे , आशुतोष तिवारी, अनिल जांगड़े, धनेश्वरी यादव, राजकुमार को शौचालय बनाने के लिए प्रत्येक को राशि का चेक वितरण किया गया। 06 हितग्राही क्रमशः पायल सेन, पूनम यादव, सगुना साहू, देविका साहू, स्वाति यादव एवं आरती (घुघवा क) प्रत्येक को नई पहल किट वितरण किया गया। 10 हितग्राही क्रमशः दौलत राम साहू, ओमन, महेश, रेवा राम निर्मल, कृपाराम, संतोष साहू, रामकुमार साहू (ढौर), पुनुदास घुघवा (क), होरीलाल, दुकल्हा (तर्रा) प्रत्येक को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति पत्रक प्रदान किया गया। खाद्य विभाग द्वारा 05 हितग्राही क्रमशः बिराजो बाई, शकुन बाई (घुघवा क) को अंत्योदय राशन कार्ड, भारती निषाद, पुनिया बाई, धनेश्वरी को प्राथमिकता राशन कार्ड वितरण किया गया। कृषि विभाग द्वारा 05 हितग्राही क्रमशः भगत राम , धनेश्वर, ललित, रूपनारायण (घुघवा क), संजय प्रत्येक को मसूर मिनीकिट दिया गया।

मत्स्य विभाग द्वारा 04 हितग्राही क्रमशः महावीर , हीरा बाई को आइस बॉक्स, मनहर को जॉल एवं दौलत राम (देमार) को आइस बॉक्स व जाल वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 10 हितग्राही क्रमशः लखन लाल, रामबाई, त्रिवेणी देवांगन, संतोष साहू, लोमेश, नवीन, पवन, कृष्ण यादव, अमरचंद वर्मा, कृष्णदेवी वर्मा (फुण्डा) प्रत्येक को आयुष्मान कार्ड वितरण किया गया।

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय में अंतर महाविद्यालय स्कीट एवं सुगम संगीत प्रतियोगिता का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जूनवानी भिलाई में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय ने युवा उत्सव 2024 25 का आयोजन 22 नवंबर 2024 को किया गया। इस अवसर पर श्री दिग्विजय सिंह अस्सिटेंट रजिस्टार हेमचंद यादव विश्वविद्यालय निर्णायक श्रीमती जोली सेन पर्यावरण विभाग भिलाई इस्पात संयंत्र डॉ. सोम भारती भार्गव ड्रामा, संगीत एवं साहित्यकार डॉ अर्चना झा प्राचार्य श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जूनवानी भिलाई डॉ जे. दुर्गा प्रसाद राव अकादमिक डीन श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जूनवानी भिलाई उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष क्षति प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर सरस्वती वंदना एवं राज्य गीत से किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय की परंपरा अनुसार पौधा सीड बॉल एवं श्रीफल से किया गया।

प्रथम सत्र में स्कीट का प्रस्तुतीकरण किया गया है जिसमें 15 महाविद्यालयों ने विभिन्न सामाजिक विषयों जैसे वोट का अधिकार, संगति का असर, ट्रांसजेंडर, सभ्य समाज का आधार मानवता, उतना ही ले थाली में व्यर्थ न जाए नाली में, सफलता कड़ी मेहनत से मिलती है, सुलभ शौचालय सामाजिक जिम्मेदारी, शिक्षा का अधिकार, स्त्री शिक्षा ,पारिवारिक सहयोग, विशिष्ट बालक (ऑटिज्म) और भी है राहे, बुढ़ी काकी, वर्तमान समय में नारी पर होने वाले अत्याचार, बालिका शिक्षा, सामाजिक कुरीतियों जैसे संवेदनशील विषयों पर मनमोहक प्रस्तुति दी।

निर्णायक डा सोम भारती ने स्कीट प्रस्तुति के नियम के साथ–साथ मंचन की बारीकियां, स्वरों के उतार–चढ़ाव, नाटक के टेक्निकल चीजों की जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि प्रेजेंटेशन के समय फ्रंट में रहकर पब्लिक से कनेक्ट करें। ड्रामा में हमेशा एक्सप्रेशन पर ध्यान दें। मंच का पूरा उपयोग करना चाहिए। जहां तक संभव हो बैठकर प्रस्तुतीकरण देने से बचना चाहिए। चेहरे के हाव–भाव के साथ–साथ स्वरों के उतार–चढ़ाव पर ध्यान दें। प्राप का उपयोग एवं कोई संदेश अवश्य होना चाहिए तभी कोई नाटक या ड्रामा सफल माना जाता है। उन्होंने अत्यंत प्रारंभिक जीवन से ड्रामा से जुड़ने और उनके मंचन से जुड़ने का अनुभव साझा किया। निर्णायक श्रीमती जॉली सेन ने कहा कि पब्लिक ही हमारे लिए कैमरा है अतः उनको ध्यान में रखकर हमें प्रस्तुतीकरण करना चाहिए। आवाज और हाव–भाव का तालमेल सही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में स्कीट लुप्त

होने की कगार पर हैं पर बच्चे अपनी तरफसे इस तरह का प्रयास कर रहे हैं जो उल्लेखनीय है। आज वे स्वयं समस्या का चुनाव करते हैं और उस पर अपना प्रस्तुतीकरण देते हैं। यह एक बड़ी चुनौती भी है और समाज के लिए एक नया संदेश भी। प्रहसन के पश्चात सुगम संगीत का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 11 महाविद्यालयों ने अपनी प्रस्तुति दी सुगम संगीत प्रतियोगिता के निर्णायक सुश्री सोनाली सेन व्याख्याता शास्त्रीय गायिका, अनुष्का पांडेय संगीत शिक्षिका डीपीएस दुर्ग उपस्थिति रही।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना झा विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यक्रम आयोजन के लिए श्री शंकराचार्य महाविद्यालय का चयन पर आभार व्यक्त किया तथा महाविद्यालय के दिन एकेडमिक ने विभिन्न महाविद्यालय से आए प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

चेम्बर के महामंत्री अजय भसीन ने विशेष कार्यशाला में की स्टार्टअप, आत्मनिर्भरता विषय पर चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज भिलाई के महामंत्री अजय भसीन व प्रतिनिधि मंडल को आज विवेकानंद तकनीकी महाविद्यालय नेवई में स्टार्टअप और इंट्रप्रेनेरशिप पर विशेष कार्यशाला में आमंत्रित किया गया। इस विशेष कार्यशाला में स्टार्टअप, आत्मनिर्भरता विषय पर चर्चा की गई। महाविद्यालय के सीईओ अंग्रेश द्विवेदी व डॉ आर एन पटेल जी ने आत्मनिर्भर युवाओ के लिए तैयार प्लेटफार्म की विस्तृत जानकारी दी।

महामंत्री अजय भसीन ने अपने उद्बोधन में बताया कि विकसित भारत के लिए स्टार्टअप व आत्मनिर्भरता अत्यंत आवश्यक है।चेम्बर ऑफ कामर्स इस क्षेत्र में लगातार काम कर रही है। रूरल क्षेत्र से प्रतिभाओं को मार्किट देना,नए युवाओं को स्टार्टअप के लिए हर तरह का सहयोग देने के लिए चेम्बर की टीम हमेशा तैयार रहती है।

भसीन ने महाविद्यालय प्रबंधन को साथ देने उनकी टीम के साथ स्टार्टअप युवाओं को आगे बढ़ाने में चेम्बर की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। इस विशेष कार्यशाला में अन्य संस्था के पदाधिकारी भी उपलब्ध थे। इस विशेष कार्यशाला में भिलाई चेम्बर से शंकर सचदेव, सुनील मिश्रा, विनय सिंह, मनोहर कृष्णानी उपस्थित थे।

नल कनेक्शन कटने का डर, टैक्स जमा करने मांग रहे मोहलत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत राजस्व विभाग द्वारा कमिश्नर सुमित अग्रवाल के निर्देश पर सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर के मार्गदर्शन में करदाताओं के घर–घर जाकर युद्ध स्तर पर कार्रवाई शुरू की गई है। नल कनेक्शन काटने नगर निगम का सख्त एक्शन तीन दिनों से लगातार जारी है।

कार्रवाई से करदाताओं में मचा हड़कंप, टैक्स बकायादारों के खिलाफ नगर निगम ने लिया फिर सख्त कदम !टैक्स नहीं देने वाले पर निगम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर के मार्गदर्शन में

जलकार्य निरीक्षक राजू चन्द्राकर टीम के साथ पहुंचे।नगर निगम द्वारा नल कनेक्शन काटने अभियान तेज कर दिया है। कार्रवाई के दौरान अमले के साथ जलकर वसूली को लेकर करदाताओं से जल कर टैक्स देने की बात कही जा रही है।वहीं कई हितग्राहियों द्वारा लिखित में देकर नल कनेक्शन के कटने के भय से टैक्स जमा करने की मोहलत मांग रहे हैं।

कमिश्नर सुमित अग्रवाल द्वारा सभी उप राजस्व निरीक्षक एवं सहायक राजस्व निरीक्षकों द्वारा डोर टू डोर वसूली अभियान में ड्यूटी लगाई गई है।कार्रवाही करने पहुँचे नगर निगम राजस्व विभाग टीम तो करदाताओं के द्वारा लिखित में समय मांगी गई है।इससे राजस्व विभाग ने नल कनेक्शन विच्छेद की कार्यवाही नही किया गया हैं। साथ उन्हें समझाइस दिया कि समयावधि पर करदाताओं के द्वारा मांगी गई समय पर टेक्स जमा कर दे।टैक्स जमा नहीं होने पर तुरंत नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही की जावेगी।

बता दे कि कार्रवाही के मौके पर करदाताओं ने नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही भगवानदिन यादव पिता श्री रामदुलारे यादव डिमांड नंबर 350654 वर्ष 2017 –18 से अभी वर्तमान तक 133285/रुपया बकाया हैं। वार्ड 37 घनश्याम,कमलेश,सुरेश डिमांड नंबर 3700110 इनका वर्ष 2021/22 से अभी वर्तमान तक 62841 रुपया बकाया हैं।इनके द्वारा लिखित में जमा करने आश्वासन दिया गया। वार्ड 36 श्रीमती मीरा पाण्डेय पति गोविंद पाण्डेय डिमांड नंबर 360147 इनका वर्ष 2021/22 से अभी वर्तमान तक 2100055 रुपया बकाया हैं इनके द्वारा 15 दिवस के भीतर जमा करने आश्वासन दिया गया। वार्ड 37 गिरधारी श्रीवास /पिता गोपी श्रीवास डिमांड नंबर 3700435 वर्ष 2019 /20 से अभी वर्तमान तक 32537 रुपया बकाया हैं घर पर ताला लगा था उनसे फोन पर संपर्क किया गया।उनके द्वारा इस माह के आखरी तक जमा करने आश्वासन दिया गया।

62841 रुपए को किस्त में जमा करने की बात कही जिसे लिखित में लिया गया।नल कनेक्शन विच्छेद की कार्यवाही करने के दौरान करदाता से लिखित में सोमवार को जमा करने की बात कही है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्या ने किया भिलाई इस्पात संयंत्र दौरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्या भिलाई प्रवास पर 20 नवम्बर 2024 को भिलाई निवास पहुंचे, जहां उनका स्वागत निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किया।

21 नवम्बर 2024 को अंतर सिंह आर्या ने भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य इकाईयों का दौरा किया और इस्पात निर्माण की प्रक्रिया में विशेष रूचि ली। सर्वप्रथम श्री अंतर सिंह आर्या ने मैत्री बाग का दौरा किया, जहां उन्होंने प्रकृति, संरक्षित जानवर और बागवानी के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मैत्री बाग के प्राकृतिक वातावरण का आनंद उठाया, वहाँ वृक्षारोपण किया तथा भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा मैत्री बाग में किये जा रहे प्रयासों कि सराहना की। मैत्री बाग में उनके साथ कार्यपालक निदेशक पवन कुमार अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उपस्थित रहे।

इसके पश्चात अंतर सिंह आर्या भिलाई निवास में एससीध्एसटी कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों की बैठक ली। तत्पश्चात श्री आर्या ने भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भिलाई निवास के बोर्ड रूम में समीक्षा बैठक की। जिसमें श्री आर्या ने प्लांट की कार्यप्रणाली, उत्पादन, निष्पादन और कर्मचारी कल्याण योजनाओं के बारे में जानकारी ली। इसके पश्चात, श्री आर्या एसटी छात्रों से मुलाकात की, जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र स्कूलों के विद्यार्थी, नर्सिंग प्रशिक्षु और इंटर्न शामिल थे।

कार्यक्रम के अगले चरण में, श्री आर्या ने सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न प्रमुख इकाइयों में लौह और इस्पात उत्पादन की प्रकिया का निरीक्षण किया और इसमें रूचि दिखाई। इस दौरान वे सर्वप्रथम मेन गेट स्थित सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र पहुंचे, जहां उन्हें संयंत्र भ्रमण के दौरान आवश्यक सुरक्षा निर्देशों से अवगत कराया गया। इसके बाद श्री आर्या ने कोक ओवन और कोल केमिकल विभाग (सीओ–सीसीडी), ब्लास्ट फर्नेस–8, स्टील मेल्टिंग शॉप–3 और यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) का निरीक्षण किया तथा प्लांट की तकनीकी प्रक्रियाओं की जानकारी ली। उन्होंने ब्लास्ट फर्नेस–8 में हॉट मेटल उत्पादन, एसएमएस–3 में क्रूड स्टील उत्पादन, यूआरएम में विश्व की सबसे लंबी 130 मीटर रेल की रोलिंग प्रक्रिया को नजदीक से देखा।

इस दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिकारियों ने श्री आर्या को स्टील निर्माण प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया। संयंत्र भ्रमण के दौरान श्री आर्या के साथ संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (वर्क्स, बीएसपी) अंजनी कुमार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
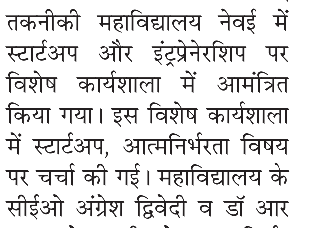
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

उदय चैरिटेबल वेलफेयर फाउंडेशन ने किया लोक कलाकारों का सम्मान

रायपुर। उदय चैरिटेबल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा 'आश्रय' श्याम नगर, कलाकारों का सम्मानित किया साथ ही विभिन्न क्षेत्रों से आये कलाकारो ने सदाबहार गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य निर्माण के शांतिदूत डॉ. उदयभान सिंह चौहान, विशेष अतिथि, डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर, लोक कलाकार एवं सुनील पांडे, कवि थे। संस्था अध्यक्ष सुषमा पटनायक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमारी संस्था मानसिक घुमंतु रोगियों के लिए कार्य करती है एवं अक्षम वृद्ध जनों का पुनर्वास भी करती है। कार्यक्रम में प्राची ने मधुरम मधुरम गीत प्रस्तुत किया। साथ ही विनोद वाल्मीकि, राकेश दास, उदयराज व बाल कलाकार वत्सल ने अपनी प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में श्रीवास्तव दंपत्ति सहित प्रिया साहू, सुबोध, शकील अहमद, हीरालाल, एन के वर्मा, सुहाना वर्मा, सेतु साहू ने संरक्षक कमल जैन, संजय सहगल ने गीत प्रस्तुत किया। अरुण लता श्रीवास्तव, धनलक्ष्मी दुबा, रेखा दुबे, आराधना खरे, दिव्या केशरवानी, प्रेम पटेल, विनीता श्रीवास्तव, कीर्ति श्रीवास्तव,वरिष्ठ कलाकार संजय निराला, डीएसपी, महिला बाल विकास विभाग डॉ. दीनानाथ यादव, सरवतनकवी प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट सीडबलूसी रायपुर, गजानन साहू प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट सीडब्लूसी बालोद भजन गायिका, भागवत वाचक भूमिका साहू, मीणा यादव, एस.आई. हेमलता वर्मा, शालीमार लकड़ा, पुष्पा एक्का, आइयूसीएडबलू उपस्थित थे। कार्यक्रम का सशक्त संचालन श्रेया श्रीवास्तव ने किया। अंत में अध्यक्ष सुषमा ने आभार व्यक्त किया।

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में पीजी के तीन नए कोर्स को शासन ने दी मंजूरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं मे विस्तार और युवाओं के लिए राज्य में ही मेडिकल शिक्षा की सुविधा को लेकर काफी संवेदनशील हैं। मुख्यमंत्री साय की पहल पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने स्व. लखीराम मेमोरियल शासकीय मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में पीजी के तीन नए कोर्स को चिकित्सा शिक्षा विभाग ने मंजूरी दे दी है।

राज्य शासन के द्वारा नए पाठ्यक्रमों को मंजूरी दिए जाने पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि सीटों में वृद्धि से राज्य में एमबीबीएस पास करने वाले मेडिकल के छात्रों को लाभ मिलेगा। राज्य में ही पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश की संभावना बढ़ने से छात्रों को राज्य में ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिलेगा। इससे न सिर्फ मेडिकल में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी बल्कि राज्य को अतिरिक्त विशेषज्ञ चिकित्सक भी मिलेंगे।

राज्य शासन की तरफ से स्व. लखीराम मेमोरियल शासकीय मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में पीजी के तीन नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने की मंजूरी दी गयी है।चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा इस आशय का इशेंसियेलिटी सर्टिफिकेट भी जारी कर दिया गया है। नए कोर्स में एम.एस. जनरल सर्जरी के लिए 7 सीट, एम.डी.पीडियाट्रिक्स के लिए 4 सीट और एम.डी.जनरल मेडिसिन के लिए 5 सीटों की अनुमति प्रदान की गई है।

नवनियुक्त अध्यक्ष महेश जेठानी का किया सम्मान

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कैट के प्रदेश कार्यालय में कैट राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी जी अध्यक्षता में बैठक हुई है। बैठक में कैट ने गुरूनानक चौक व्यापारी संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष महेश जेठानी जी का शाल श्रीफल से स्वागत सम्मान किया गया।

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने कहा कि गुरूनानक चौक व्यापारी संघ की दीपावली मिलन समारोह कार्यक्रम में नये पदाधिकारियो की नियुक्ति गई थी। जिसमें सुरिन्द्रर सिंह संरक्षक है। महेश जेठानी को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। प्रहलाद शादीजा को सचिव बनाया गया है तथा हरीश छाबड़ा को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। बैठक में कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे – अमर पारवानी, जितेन्द्र दोशी, परमानन्द जैन, वासु माखीजा, सुरिन्द्र सिंह, भरत जैन, राकेश ओचवानी, महेन्द्र कुमार बागरोडिया, महेश जेठानी, नरेश पाटनी, प्रीतपाल सिंह बग्गा, जयराम कुकरेजा, नागेन्द्र तिवारी, मोहन वल्र्यानी, दीपक विधानी शामिल थे।

रोजवुड रेसीडेंशियल वेलफेयर सोसाइटी के रहवासियों ने लिया एकजुटता का संकल्प

यह आयोजन परिवार जैसे रिश्ते को और अधिक मजबूत बनाने का अवसर है : कोसरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रोजवुड रेसीडेंशियल वेलफेयर सोसाइटी के रहवासियों के द्वारा भव्य दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन रोजवुड गार्डन में एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने के लिए किया गया। इस कार्यक्रम में कॉलोनी के सभी निवासी पूरे उत्साह और उल्लास के साथ शामिल हुए। दीपावली मिलन कार्यक्रम में सभी नए पदाधिकारियों का विशेष रूप से स्वागत और सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के बाद अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों के उद्बोधन से हुई।

सभी नए पदाधिकारियों को बुके देकर सम्मानित किया गया। उनकी जिम्मेदारियों को लेकर विश्वास और उत्साह जाहिर किया गया। अध्यक्ष लक्ष्मीकांत कोसरिया ने अपने उद्बोधन में सभी निवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और सोसाइटी के विकास के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने आगामी योजनाओं का संक्षिप्त विवरण भी साझा किया, जिसमें साफ-सफाई, सुरक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना शामिल है।

संरक्षक आरपी भतपहरी, सलाहकार एस के वाहने, जीपी ताम्रकार, सुकांत मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष राकेश दास वैष्णव, उपाध्यक्ष छन्नू लाल साहू, सचिव सौरभ सिंह, कोषाध्यक्ष राजेश शुक्ला, संगठन सचिव के सी मजूमदार तथा राजकुमारी ठाकुर एवं पल्लवी सिंह ने भी अपने विचार रखे और निवासियों से सहयोग की अपील की। उन्होंने पारदर्शिता और सामूहिक भागीदारी का वादा किया और कॉलोनी की प्रगति के लिए बनाई गई नीतियों को आगे बढ़ाने की बात कही। यह आयोजन न केवल एक मेल मिलाप का सुअवसर था, बल्कि समिति के निवासियों के बीच एकता, सहयोग और खुशियों को आदान प्रदान करने का एक अनोखा प्रयास भी था।इस अवसर ने न केवल नए पदाधिकारियों को प्रेरित किया, बल्कि निवासियों के बीच आपसी संवाद और सहयोग का माहौल भी तैयार किया। कार्यक्रम में सेवानिवृत पुलिस उप अधीक्षक सविता दास वैष्णव को शाल और श्रीफल देकर समिति की तरफसे सम्मानित किया गया तथा उनके सुदीर्घ जीवन एवं अच्छे स्वास्थ्य की मंगल कामना की गई। श्रीमती दास ने अपने लंबे प्रशासनिक अनुभव को साझा किया।

कार्यक्रम का संचालन राजेश शुक्ला एवं कविता कोसरिया ने किया। संचालन की कुशलता के कारण पूरा कार्यक्रम एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव बन गया, जिसने दीपावली मिलन के इस अवसर को और भी खास बना दिया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि देवता दिन दुबे और राहुल सिंह, उमा द्विवेदी, श्रद्धा शुक्ला, प्रेमा पालीवाल, रेखा पालीवाल, शशी पटेल, अंकिता शर्मा, डाली साहू, रमाकांत द्विवेदी, एसआर पटेल, लक्ष्मीकांत शुक्ला, सुनील ध्रुव, रेवा शंकर पालीवाल, आई डी पालीवाल, पी नागराजन, सुब्रतो सरकार, मुकुंद पवार, एचके लहरें, वीरेंद्र त्रिपाठी, अंशुल थूठगल, रामेश्वर सिंह, कौशल शर्मा, फिरोज खान, अनिल सहारे, अशोक सिंह, प्रिंस सिंह, अभिषेक खींची, मीत सिंह मरावी, हेमंत भारद्वाज, अभिषेक प्रकाश, दिनेश विश्वकर्मा, मंगल साहू, योगेश्वर पुरी गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में रहवासी उपस्थित थे। सलाहकार सुकांत मिश्रा ने भोजन की व्यवस्था तथा निवासियों, आयोजकों और विशेष रूप से नए पदाधिकारी को उनके सहयोग और उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया।

अब छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य अंचलों के 77,292 घर होंगे रौशन

8091 किलोमीटर लाइनें, 2217 ट्रांसफॉर्मर, 7950 बसाहटें

श्रीकंचनपथ न्यूज

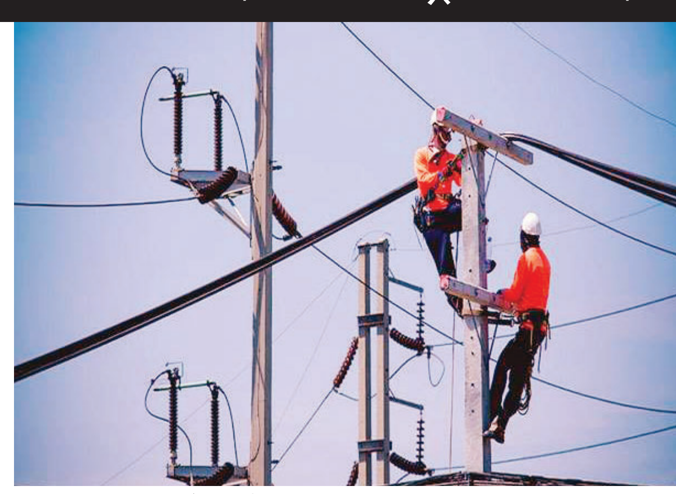

रायपुर। आदिवासी अँचलों में बिजली से वंचित रह गए घरों में बिजली पहुंचाने के लिए 3 अतिविशिष्ट योजनाओं के माध्यम से 77,292 घरों में बिजली पहुंचाने की कार्ययोजना बनाकर उस पर अमल प्रारंभ कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा इस महती कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है जिसमें से 2 योजनाएं केंद्र सरकार की है तथा 1 योजना छत्तीसगढ़ शासन की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 426 करोड़ रुपए से अधिक लागत की इन योजनाओं का क्रियान्वयन शीघ्रता से करने के निर्देश दिए है। वहीं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्षरोहित यादव ने तीनों योजनाओं की प्रगति की नियमित तौर पर मॉनिटरिंग की व्यवस्था की है।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा-अभियान (पीएम जनमन) के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की अति पिछड़ी 7 जनजातियों जिनमें अबुझमाड़िया, बैगा, भारिया, पहाड़ी कोरवा, कमार तथा बिरहोर शामिल हैं, इन 7 जनजातियों के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। ग्रिड से विद्युतीकृत गांवों के 7,077 घरों में बिजली पहुंचाने के लिए 37 करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 1,087 बसाहटों में 363.24 किलोमीटर 11 के.वी. लाइन, 267 नग 25 के.वी.ए. क्षमता के वितरण ट्रांसफॉर्मर तथा 650 किलोमीटर से अधिक निम्नदाब लाइनें बिछाई जा रही है। पीएम जनमन के तहत अभी तक 4,500 घरों में बिजली पहुंचाई जा चुकी है।

प्रधानमंत्री जनजाति उन्नत ग्राम अभियान की घोषणा हाल ही में की गई है जिसके अंतर्गत 919 गांवों के 65,711 अविद्युतीकृत घरों में बिजली पहुंचाने के लिए 323 करोड़ 63 लाख रुपए की कार्ययोजना को स्वीकृति मिली है। जिसके अंतर्गत 6,863 बसाहटों में 1889.56 किलोमीटर लाइनें, 25 के.वी.ए. क्षमता के 1950 वितरण ट्रांसफॉर्मर स्थापित किए जाएंगे तथा 5,188 किलोमीटर से अधिक निम्नदाब लाइनें बिछाई जाएंगी।

आदिवासी बहुल गांवों में बिजली पहुंचाने में सबसे बड़ी समस्या वहां के सघन वन क्षेत्र होते हैं। घने जंगलों में बहुत से क्षेत्र पहुंच विहीन होती हैं। इसके अलावा बस्तर के सघन वन क्षेत्रों में विरासत में मिली नक्सलवाद की समस्या भी है जिसके समाधान की दिशा में राज्य सरकार द्वारा केंद्र की मदद से लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस मोर्चे पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कार्यकाल में बड़ी सफलताएं भी मिल रही हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर सुरक्षाबलों की तैनाती केंद्र तथा राज्य शासन द्वारा की गई है। जिसके लिए सुरक्षा कैम्प बनाए गए है। सुरक्षा कैम्पों के समीप 5 किलोमीटर के दायरे में बहु-आयामी विकास कार्यों को गति देने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा नियद नेल्लानार योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत 24 सुरक्षा कैम्पों के 5 किलोमीटर के दायरे में 96 गांवों में घरों को रोशन करने की कार्ययोजना बनाकर कार्य प्रारंभ किया गया है। इसमें ग्रिड से विद्युतीकृत 8 गांवों के 105 आवासों तथा ऑफग्रिड विद्युतीकृत 61 गांवों के 4,399 आवासों को ग्रिड से विद्युतीकृत करने की योजना प्रचलन में है। 61 करोड़ रुपए की लागत से इस योजना के अंतर्गत उपकेंद्रों, वितरण लाइनों की स्थापना की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत बीजापुर जिले के यथागुण्डम तथा चिन्तावागु गांवों का विद्युतीकरण किया गया है तथा 60 आवासों में बिजली पहुंचाई जा चुकी है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री रोहित यादव के निर्देशानुसार इन तीनों योजनाओं को प्राथमिकता से पूरा किया जाना है। एम.डी. डिस्ट्रीब्यूशन श्री भीमसिंह कंवर द्वारा नियमित तौर पर क्रियान्वयन की समीक्षा की जा रही है।

नगर निगम ने जरवाय में करीब 50 एकड़ अवैध प्लाटिंग पर लगाई रोक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 8 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन के तहत वीर सावरकर नगर वार्ड नम्बर 1 के जरवाय क्षेत्र में बिल्डर द्वारा लगभग 50 एकड़ निजी भूमि पर नगर तथा ग्राम निवेश विभाग और नगर निगम नगर निवेश विभाग द्वारा नक्शा, ले आउट पास कराये बिना किये जा रहे कार्य एवं अवैध प्लाटिंग पर अभियान चलाकर स्थल पर रायपुर तहसीलदार मनुमुक्ता पाटिल एवं जोन 8 जोन कमिश्नर ए. के. हालदार, नगर निवेशक आभाष मिश्रा के नेतृत्व और कार्यपालन अभियंता अभिषेक गुप्ता, नगर निवेश उप अभियंता अक्षय भारद्वाज, रूचिका मिश्रा की उपस्थिति में सम्बंधित बिल्डर द्वारा बिना अनुमति बनाई गयी अवैध पक्की सीसी रोड को थ्री डी एवं पोकलेन मशीन की सहाता से काटकर एवं आवागमन को बाधित कर अवैध प्लाटिंग पर कारगर रोक लगाई गयी है।

वहीं बिना अनुमति किये जा रहे निर्माण कार्य को स्थल पर तत्काल बन्द करवाया गया है। तहसीलदार रायपुर कार्यालय को नगर निगम जोन 8 नगर निवेश विभाग द्वारा पत्र लिखकर शीघ्र वास्तविक भूमिस्वामी की जानकारी निगम जोन 8 में भेजने का अनुरोध किया गया है। तहसील कार्यालय से जानकारी मिलते ही नगर निगम जोन 8 नगर निवेश विभाग द्वारा सम्बंधित अवैध प्लाटिंगकर्ता के विरुद्ध नियमानुसार प्रक्रिया के अंतर्गत कानूनी कार्यवाही करने सम्बंधित पुलिस थाना में एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी।

तीसरी राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद-2025 स्पर्धा के लिए दस विद्यार्थियों का हुआ चयन

प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को जागरूक बनाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर में तीसरी राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद (NEYP)-2025 के लिए विद्यार्थियों के चयन हेतु स्टूडेंट्स फॉर डेवलपमेंट (SFD) के सहयोग से भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से दस विद्यार्थियों का चयन किया गया।

स्टूडेंट्स फॉर डेवलपमेंट के स्टेट को-कन्वीनर चंचल चौबे ने विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि आज जलवायु परिवर्तन हमारी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। युवाओं के पास न केवल इसे समझने बल्कि इसे हल करने के लिए कदम उठाने का सामर्थ्य है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को जागरूक बनाना और पर्यावरण संरक्षण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर स्टूडेंट्स फॉर डेवलपमेंट के रायपुर महानगर के संयोजक सूजल गुप्ता ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन और बढ़ता प्रदूषण हमें एक बड़े संकट की ओर ले जा रहा है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए हमें सतर्कता और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट्स फॉर डेवलपमेंट जल, जंगल, जमीन, जन- जानवर के संरक्षण पर विगत कई वर्षों से कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नरेन्द्र त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण महज एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे को देखते हुए हमें जागरूकता के साथ-साथ ठोस समाधान की ओर भी ध्यान देना होगा। युवा पीढ़ी इसमें अग्रणी भूमिका निभा सकती है। ऐसे कार्यक्रम छात्रों को न केवल गंभीर मुद्दे को समझने का मौका देते हैं, बल्कि उनके विचारों को मंच प्रदान करते हैं।

चयनित विद्यार्थी के नाम हैं ः सुयश साहू, हुनेश्वरी सिन्हा, किरण, स्वाति, सुरेश साहू, खुशबू वर्मा, दीप्ति वर्मा, जानकी वर्मा, अनमोल तिवारी, खुशी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक पंकज नयन पाण्डेय, डॉ. राजेंद्र मोहंती, डॉ. आशुतोष मंडावी, डॉ. नृपेन्द्र शर्मा, शैलेन्द्र खंडेलवाल समेत शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

निगम आयुक्त ने पार्षदों के साथ चर्चा की अप्रारंभ प्रगतिरत विकास कार्यो की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने नगर पालिक निगम जोन 10 कार्यालय पहुंचकर वहां जोन अध्यक्ष आकाशदीप शर्मा, एमआईसी सदस्य सहदेव व्यवहार, पार्षद शीतल कुलदीप बोगा, संध्या नानू ठाकुर, सीमा विष्णु बारले, उमा चंद्रहास निर्मलकर, रवि ध्रुव, अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, मुख्य अभियंता यूके धलेन्द्र, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, जोन कमिश्नर राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता आशीष शुक्ला, दिनेश सिन्हा सहित जोन अधिकारियों की उपस्थिति में जोन के वार्डो में अप्रारंभ विकास कार्यो की कारण सहित जानकारी ली एवं प्रगतिरत विकास कार्यो की वार्डवार जानकारी लेकर समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिये।

आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने जोन अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रगतिरत सभी विकास कार्यो को तय समय सीमा के भीतर गुणवत्ता पूर्ण तरीके से सतत मॉनिटरिंग कर पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें और साथ हीअप्रारम्भ किन्तु स्वीकृत विकास कार्यों को तत्काल प्रारम्भ करवाया जाना सुनिश्चित किया जाये । आयुक्त ने जोन अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों से वार्डो में विकास कार्य एवं अन्य विषयों पर चर्चा की । पार्षदों से विकास कार्यों के सम्बन्ध में सुझाव प्राप्त किये।

आयुक्त ने जोन अधिकारियों को जोन के वार्डों में रिक्त शासकीय भूमियों को सुरक्षित कर उनमें जनहित में योजना प्रस्तावित करने के निर्देश दिए हैँ, वहीं नगर निगम हित में राजस्व वसूली अभियान प्रतिदिन वार्डो में तेज गति से चलाकर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत राजस्व वसूली सर्वोच्च प्राथमिकता देकर सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैँ । आयुक्त ने निगम हित में जोन के वार्डो में राजीनामा प्रकरणों को तैयार करने कार्यवाही करने के निर्देश दिये। आयुक्त ने जोन के वार्डो में सफाई, पेयजल स्ट्रीट लाइट प्रबंधन की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिये। आयुक्त ने जनसमस्याओं एवं जनशिकायतों का जोन स्तर पर जनहित में त्वरित निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं।

तमन्ना भाटिया की सिकंदर का मुकद्दर का ट्रेलर जारी

29 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी फिल्म

तमन्ना भाटिया, अविनाश तिवारी और जिमी शेरगिल स्टारर मच अवेटेड फिल्म सिकंदर का मुकद्दर का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ। इस फिल्म में हाई प्रोफाइल हीरों की लूट की दिलचस्प और थ्रिलिंग कहानी बताई गई है। फिल्म में जिम्मी शेरगिल खतरनाक पुलिस वाले की भूमिका में हैं जो तमन्ना और अविनाश तिवारी के पीछे पड़े हुए हैं। फिल्म 29 नवंबर, 2024 को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगी।

सिकंदर का मुकद्दर का 2 मिनट, 28 सेकंड का ट्रेलर एक फोन कॉल के साथ शुरू होता है जो एक हाई-प्रोफाइल हीरे की प्रदर्शनी में डकैती की जानकारी देता है, जिसमें बंदूकों से लैस लुटेरे हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती है, मुख्य पुलिस अधिकारी जिम्मी शेरगिल का शक तीन लोगों पर जाता है। पहला मंगेश देसाई (राजीव मेहता), कामिनी सिंह (तमन्ना भाटिया) और सिकंदर शर्मा (अविनाश तिवारी)। सिकंदर इस आरोप से मुकर जाता है और कामिनी के साथ कहीं दूर भागने का प्लान बनाता है। फिर भी, उसका अतीत उसे परेशान करता रहता है, इंस्पेक्टर जसविंदर सिंह (जिमी शेरगिल) आखिरी तक उसका पीछा नहीं छोड़ता।

सिकंदर जसविंदर से भिड़ जाता है, उसे मुंबई से बाहर निकालने और पिछले 15 सालों से उसके जीवन को उलट-पुलट करने के लिए जिम्मेदार ठहराता है। ट्रेलर जसविंदर के डायलॉग के साथ खत्म होता है। जिसमें वह कहता है, आपकी बायोपिक का टाइटल सिकंदर का मुकद्दर है और मैं इसका निर्देशक हूं। अब आगे पुलिस चोर को पकड़ने में कामयाब होती है कि नहीं और वे अपना जुर्म कुबुल करते है या नहीं ये तो फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा।

सिकंदर का मुकद्दर एक सस्पेंस थ्रिलर है, जो एक अनसुलझे हीरे की चोरी के बाद चोर को पड़कने के मिशन की कहानी है। जिसमें एक पुलिस अधिकारी को तीन लोगों पर शक होता है और वो उन तीन लोगों के पीछे पड़ जाता है। शीतल भाटिया द्वारा निर्मित यह फिल्म फ्राइडे स्टोरीटेलर्स बैनर के तहत बनी है। तमन्ना भाटिया को हाल ही में स्त्री 2 में देखा गया था। वहीं अविनाश तिवारी लैला मजनू से लोकप्रिय हुए और उन्हें आखिरी बार मडगांव एक्सप्रेस में देखा गया था।

सुष्मिता सेन इरादों को अमल में लाने में रखती हैं विश्वास

अभिनेत्री सुष्मिता सेन, जिन्हें आखिरी बार स्ट्रीमिंग क्राइम-थ्रिलर सीरीज आर्या सीजन 3 में देखा गया था, इरादों को अमल में लाने में विश्वास रखती हैं। अभिनेत्री ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, एक इंच आगे बढ़ने एक मील के सपने देखने से बेहतर है। उन्होंने कैप्शन में एक नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने सपनों को भी शक्तिशाली बताया लेकिन उन्होंने सपनों को क्रियान्वित करने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने लिखा, यह आश्चर्यजनक है कि किसी भी चीज को हासिल करने की यात्रा कितनी सरल हो सकती है। इरादा एक शक्तिशाली उपकरण है, यह दिशा देने में मदद करता है लेकिन बिना गति के यह एक बेकार उपकरण है। इंच दर इंच हम मील तय करते हैं।

इससे पहले अभिनेत्री अपने दांत के दर्द का इलाज कराने के लिए एक दंत चिकित्सक के पास गई थी। जब वह दंत चिकित्सक के क्लिनिक के बाहर क्लिक की गई, क्लिनिक के बाहर खड़े पैपराजी से बातचीत की, तो यह स्पष्ट था कि उन्हें स्थानीय एनेस्थीसिया की भारी खुराक दी गई थी, क्योंकि उसकी बोली लड़खड़ा रही थी। दर्द में होने के बावजूद, अभिनेत्री ने अपनी खास गर्मजोशी और करुणा के साथ पैपराजी का अभिवादन किया।

काम के मोर्चे पर सुष्मिता को आखिरी बार अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकित सीरीज आर्या में देखा गया था, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उन्हें स्ट्रीमिंग बायोग्राफिकल ड्रामा ताली- बजाऊंगी नहीं, बजाऊंगी में भी देखा गया था, जिसमें उन्होंने ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत की भूमिका निभाई थी। रवि जाधव द्वारा निर्देशित यह सीरीज मुंबई की ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत के जीवन और संघर्ष के महत्वपूर्ण क्षणों को कवर करती है।

द साबरमती रिपोर्ट फिल्म के रिस्पांस से बहुत अच्छा लग रहा है : रिद्धि डोगरा

देश के बहुचर्चित गोधरा कांड पर बनी विक्रांत मैसी स्टारर फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की देश भर में जम कर तारीफ हो रही है। लोग इस फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों में पहुंच रहे हैं। इस फिल्म को मिल रही शुरुआती सफलता पर इस फिल्म की अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने खुशी जाहिर की है।

उन्होंने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। हमने अपनी मेहनत की है, और जब आप अपनी मेहनत को सामने लाते हैं और उसे ऑडियंस तक पहुंचाते हैं, तो फिर आप यही सोचते हैं कि लोग इसका कैसा रिस्पॉन्स देंगे। अब जो भी रिस्पॉन्स मिल रहा है, वह बहुत अच्छा है और सच में बहुत अच्छा लग रहा है। लोग खुद बता रहे हैं कि उन्हें फिल्म में क्या-क्या अच्छा लगा। यह बहुत ही बड़ी खुशी की बात है कि हमारे काम को सराहा जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी फिल्म के बारे में बात की है, इससे बढ़कर और कुछ नहीं हो सकता। यह बहुत अच्छा लग रहा है। साथ ही, हरियाणा के मुख्यमंत्री जी भी फिल्म देख रहे हैं, और यह भी बहुत अच्छा लग रहा है। हम बहुत खुश हैं कि हमारी फिल्म सबको इतनी पसंद आ रही है। मैं फिल्म देखने आई हूं। अभी इंटरवल हो चुका है, और अब फिल्म का दूसरा भाग शुरू हो चुका है, तो हम उम्मीद करते हैं कि जैसे पहले भाग को पसंद किया गया, वैसे ही बाकी फिल्म भी लोगों को अच्छी लगे। फिल्म खत्म होने के बाद सबसे मिलकर और भी खुशी होगी।

बता दें कि द साबरमती रिपोर्ट साबरमती एक्सप्रेस में आग लगने की घटना पर बनी है। यह घटना 27 फरवरी, 2002 को हुई थी, जिसमें झुलस कर 59 लोगों की मौत हो गई थी। फिल्म में अभिनेत्री राशि खन्ना, विक्रांत मैसी और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं और तीनों ही पत्रकार की भूमिका में हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स, विकिर फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, द साबरमती रिपोर्ट शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

पीरियड्स के दौरान मीठा खाने की क्रेविंग प्रेग्नेंसी के लक्षण तो नहीं?

मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा मासिक धर्म के दौरान आम है और वैज्ञानिक रूप से सिद्ध है कि यह हार्मोनल परिवर्तनों के कारण होता है। ओव्यूलेशन के बाद ल्यूटियल चरण के दौरान, एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के उच्च स्तर मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा पैदा कर सकते हैं। आपके पीरियड्स के दौरान मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा पीएमएस का एक सामान्य हिस्सा है और यह जैविक और मनोवैज्ञानिक कारकों के संयोजन के कारण होता है।

आपके मासिक धर्म चक्र के ल्यूटियल चरण के दौरान, एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के उच्च स्तर मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा को बढ़ा सकते हैं। जब आप मिठाई और स्टार्चयुक्त खाद्य पदार्थ खाते हैं तो आपका शरीर सेरोटोनिन छोड़ता है, जो आपके मूड को बढ़ा सकता है। मिठाई खाने से आपको पीएमएस के साथ आने वाली भावनाओं से निपटने में

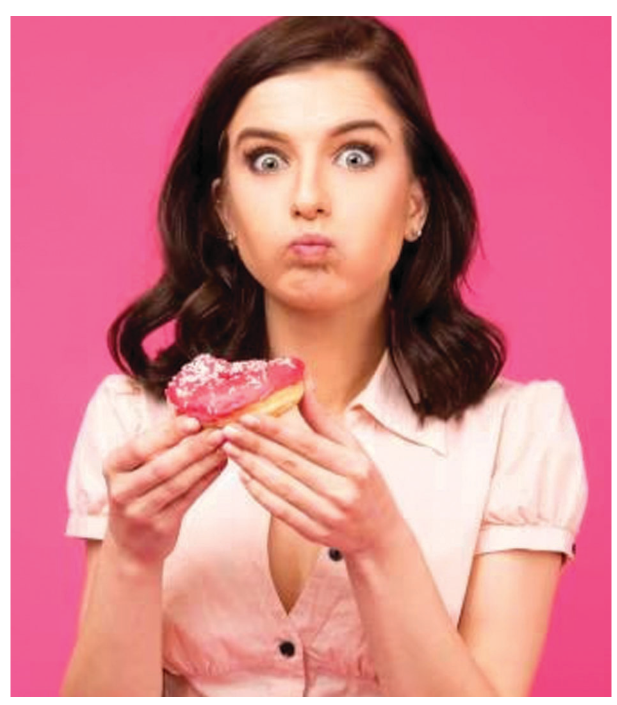

मदद मिल सकती है।

हाइड्रेटेड रहें

हमेशा पानी पीते रहें। शरीर में पानी की कमी नहीं होनी चाहिए। क्योंकि पानी की कमी के कारण हार्मोनल चेंजेज हो सकते हैं।

एक्टिव रहें

प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट या प्रति सप्ताह 150 मिनट शारीरिक गतिविधि करने का प्रयास करें। आइसक्रीम कोन के बजाय, आप दही के कटोरे में प्राकृतिक रूप से मीठी स्ट्रॉबेरी मिला कर खा सकते हैं।

अपना ध्यान भटकाएं

व्यायाम करें, टहलें, डीआईवाई गतिविधियाँ करें, दोस्तों और परिवार के साथ बातचीत करें, या गेम या पहेलियां खेलें।

डार्क चॉकलेट खाएं

डार्क चॉकलेट आपकी मीठा खाने की इच्छा को संतुष्ट कर सकती है और इसमें पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है, जो ऐंठन में मदद कर सकती है। यदि आप किसी भी लक्षण का अनुभव कर रहे हैं और इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका जानना चाहते हैं, तो आपको अपने डॉक्टर से बात करनी चाहिए। ऐसे प्रमाण मौजूद हैं जो बताते हैं कि जिन लोगों में ल्यूटियल चरण (मासिक धर्म चक्र के दौरान अण्डोत्सर्ग के बाद) के दौरान कुछ हार्मोनों का स्तर अधिक होता है, उनमें मिठाई खाने की अधिक संभावना होती है।

बड़े पर्दे पर फिर दिखेगी सलमान-करिश्मा की जोड़ी, 23 साल बाद बीवी नंबर 1 हो रही री-रिलीज

अकसर लोगों को यह कहते सुना होगा कि शोले और दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे जैसी आइकॉनिग फिल्में जब थिएटर में रिलीज हुई होंगी तो थिएटर में क्या नजारा रहा होगा। अब इस फील को पूरा करने के लिए आइकॉनिक फिल्मों को री-रिलीज करने चलन हो गया है। हाल ही में शाहरुख खान की कई फिल्में री-रिलीज हुईं, जिसमें वीर जारा और कल हो ना हो शामिल हैं।

वहीं, शाहरुख खान और सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म करण-अर्जुन भी दोबारा रिलीज हो चुकी है। अब सलमान खान, सुष्मिता सेन और अनिल कपूर स्टारर फैमिली ड्रामा और एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर वाली फिल्म बीवी नं 1 थिएटर में री-रिलीज होने जा रही है। बीवी नं 1 का आज नया ट्रेलर भी रिलीज हुआ है।

एक्टर और फिल्म प्रोड्यूसर जैकी भगनानी ने आज गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर फिल्म बीवी नंबर 1 के री-रिलीज की जानकारी दी है। जैकी ने लिखा है, यह ऑफिशियल है, बीवी नं 1 का ट्रेलर रिलीज हो गया है, डेविड धवन की बिगेस्ट एंटरटेनर फिल्म बीवी नं 1 को थिएरट में दोबारा देखने के लिए तैयार रहें, यह 29 नंवबर को रिलीज हो रही है।

बता दें, इस फिल्म को वरुण धवन के पिता डेविड धवन ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में सलमान खान की पत्नी का रोल करिश्मा कपूर ने प्ले किया था। वहीं, फिल्म में सलमान खान का सुष्मिता सेन से एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। वहीं, अनिल कपूर फिल्म में करिश्मा कपूर की मदद करने आते हैं और सलमान खान की अक्ल ठिकाने लगाते हैं। साल 1999 में रिलीज हुई फिल्म बीवी नं 1 सलमान खान के करियर की सुपरहिट फिल्म है। बता दें, 12 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म बीवी नं 1 ने बॉक्स ऑफिस पर तकरीबन 50 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था।

ठंड में घुटने के दर्द से परेशान हैं? राहत पाने के लिए रोजाना करें ये एक्सरसाइज

घुटनों में दर्द एक आम समस्या है। जो गलत जूते पहनने और उबड़-खाबड़ रास्तों पर चलने समेत कई कारणों से बढ़ने लगती है। घुटनों में समस्या उम्र बढ़ने के कारण भी हो सकती है। घुटने में दर्द चलने, उठने और बैठने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। अक्सर लोग दवाइयों का सेवन कर मांसपेशियों में बढ़ती ऐंठन और सूजन से छुटकारा पाने की कोशिश करते हैं। लेकिन कुछ आसान व्यायाम इस समस्या को दूर करने में मददगार साबित हो सकते हैं। घुटनों के दर्द से राहत दिलाने वाले आसान सी एक्सरसाइज करना चाहिए। जर्नल ऑफ अमेरिकन फैमिली फिजिशियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 25 प्रतिशत लोग घुटनों में दर्द का अनुभव करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 20 सालों में घुटनों के दर्द के मामलों में 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

घुटनों के दर्द को कम करने के लिए ये एक्सरसाइज करें

क्लैम शेल एक्सरसाइज

क्लैमशेल एक्सरसाइज करने से हिप्स और ग्लूट्स मजबूत होते हैं, चलने और बैठने में मदद मिलती है। नियमित अभ्यास से घुटनों की मांसपेशियां लचीली बनी रहती हैं, जिससे दर्द की समस्या दूर होती है।

इस एक्सरसाइज को करने के लिए मैट पर सीधे लेट जाएं और अपनी दाईं ओर मुड़ें। अपने दाहिने हाथ को ऊपर की ओर उठाएं।अब अपने घुटनों को 90 डिग्री पर मोड़कर अपने बाएं घुटने को जितना हो सके उतना खोलें और फिर दूसरे घुटने पर रखें।

इस एक्सरसाइज को 2 सेट में 20 बार करें। इससे घुटनों में होने वाले दर्द को कम किया जा सकता है।

साइड लेग रेज एक्सरसाइज

साइड लेग रेज एक बॉडीवेट एक्सरसाइज है जिसे लेटकर और खड़े होकर दोनों तरह से किया जा सकता है। इसे करने से ग्लूट्स, कोर और हैमस्ट्रिंग मजबूत होते हैं। इससे पेट के निचले हिस्से की मांसपेशियों पर दबाव बढ़ता है।

इस एक्सरसाइज को करने के लिए अपनी बाईं ओर लेट जाएं और अपने दोनों घुटनों को मोड़कर रखें।अब अपने दाहिने पैर को सीधा करें और जितना हो सके उतना ऊपर उठाएं और फिर नीचे लाएं। इस व्यायाम का अभ्यास अपने शरीर की क्षमता के अनुसार करें। इससे कूल्हे की मांसपेशियों पर दबाव बढ़ता है, जिससे शरीर का लचीलापन बनाए रखने में

मदद मिलती है।

स्टैटिक क्वाड स्ट्रेच

जांघों के सामने की तरफ मौजूद मांसपेशियों को क्वाड्रिसेप्स मांसपेशियां कहते हैं। इस व्यायाम को करने से इन मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे रक्त संचार बढ़ता है। इसे लेटकर या खड़े होकर किया जा सकता है। इससे घुटने का दर्द कम हो सकता है।

इस व्यायाम को करने के लिए मैट पर पेट के बल लेट जाएं और फिर दोनों पैरों के बीच थोड़ी दूरी बनाए रखें। अब अपने दाहिने पैर को घुटने से मोड़कर अपने कूल्हों के पास लाएं और ऊपर की ओर खींचें। इस दौरान गहरी सांस लें।इसके बाद दाहिने पैर को जमीन पर रखें और बाएं पैर को ऊपर की ओर लाएं। इस व्यायाम का अभ्यास 10 से 15 बार करें।

हैमस्ट्रिंग स्ट्रेच

हैमस्ट्रिंग मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए इस व्यायाम का अभ्यास करें। इससे शरीर का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है और पीठ के निचले हिस्से की मांसपेशियों को आराम मिलता है, जिससे दर्द और सूजन कम हो सकती है।

इस व्यायाम को करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं और अपने दाहिने पैर को ऊपर की ओर उठाएं। इस दौरान गहरी सांस लें।अब तौलिया लें और उसे अपने दाहिने पैर से घुमाएं और नीचे की ओर खींचें। इससे आपके घुटनों की मांसपेशियों को आराम मिलेगा। शरीर की क्षमता के अनुसार इस व्यायाम का अभ्यास करें। इसके बाद दोनों पैरों को सीधा कर लें।

आप किसी भारतीय को भारत से बाहर ले जा सकते हैं, लेकिन भारतीय के अंतर्मन से भारत को नहीं निकाल सकतेः पीएम मोदी

संस्कृति, व्यंजन और क्रिकेट- ये तीन चीजें विशेष रूप से, भारत और गुयाना को गहराई से जोड़ती हैंः प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुयाना के जॉर्जटाउन में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस अवसर पर गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली, प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स, उपराष्ट्रपति भरत जगदेव, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड रामोतार सहित अन्य गणमान्य् व्यमक्ति उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने राष्ट्रपति को धन्यवाद देते हुए अपने आगमन पर विशेष उत्साभह के साथ किए गए उनके भव्य स्वागत पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने राष्ट्रपति और उनके परिवार के शानदार आतिथ्य् और सहृदयता के लिए धन्यवाद दिया। श्री मोदी ने कहा कि आतिथ्य की भावना हमारी संस्कृति के मूल में है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने भारत सरकार की एक पेड़ माँ के नाम पहल के अंतर्गत राष्ट्रपति और उनकी दादी के साथ एक पेड़ लगाया। उन्होंने कहा कि यह एक भावनात्मक क्षण था जिसे वे हमेशा याद रखेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गुयाना का सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार, ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस प्राप्त करके वे बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने इस सम्मान के लिए गुयाना के लोगों का आभार व्यक्त किया। श्री मोदी ने इस पुरस्कार को 1.4 बिलियन भारतीयों और 3 लाख भारतीय-गुयाना समुदाय के सम्मान में तथा गुयाना के विकास में उनके योगदान को समर्पित किया।

दो दशक पहले एक जिज्ञासु यात्री के रूप में गुयाना की अपनी यात्रा की अविस्म रणीय यादों का उल्लेहख करते हुए, श्री मोदी ने प्रसन्तारा व्ययक्त की कि अब वे भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कई नदियों की भूमि पर पुनः आए हैं। उन्होंने कहा कि तब से लेकर अब तक बहुत सारे बदलाव हुए हैं परन्तु गुयाना के लोगों का प्यार और स्नेह वैसा ही बना हुआ है। श्री मोदी ने कहा कि आप एक भारतीय को भारत से बाहर ले जा सकते हैं, लेकिन आप भारत को उनके अंतर्मन से बाहर नहीं निकाल सकते और इस यात्रा के उनके अनुभव ने इसकी पुष्टि की है।

प्रधानमंत्री ने दिन में पहले भारतीय आगमन स्मारक की अपनी यात्रा को याद करते हुए कहा कि इसने लगभग दो शताब्दियों पहले भारत-गुयाना के लोगों के पूर्वजों की लंबी और कठिन यात्रा को जीवंत कर दिया। भारत के विभिन्न हिस्सों से आए हुए लोगों का उल्लेीख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि वे अपने साथ संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं की विविधता लेकर आए और समय के साथ गुयाना को अपना घर बना लिया। उन्होंने कहा कि ये भाषाएं, कहानियां और परंपराएं आज गुयाना की संस्कृति का एक समृद्ध हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता और लोकतंत्र के लिए उनके संघर्ष के लिए भारत-गुयाना समुदाय की भावना की सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने गुयाना को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाने की दिशा में कार्य किया है, जिससे वे एक साधारण शुरुआत से शीर्ष पर पहुंचे हैं। श्री चेड्डी जगन के प्रयासों की सराहना करते हुए श्री मोदी ने कहा कि श्री जगन एक मजदूर परिवार की साधारण पृष्ठभूमि से शुरू होकर वैश्विक स्त र के नेता बने। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति इरफान अली, उपराष्ट्रपति भारत जगदेव, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड रामोतार सभी भारत-गुयाना समुदाय के राजदूत थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक भारतीय-गुयाना बुद्धिजीवियों में से एक जोसेफ रोमन, प्रारंभिक भारतीय-गुयाना कवियों में से एक राम जरीदार लल्ला, प्रसिद्ध महिला कवियित्री शाना यरदान तथा अन्य अनेक भारतीय-गुयानावासियों का कला, शिक्षा, संगीत और चिकित्सा के क्षेत्र में गहरा प्रभाव रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि हमारी समानताओं ने भारत-गुयाना मैत्री को एक मजबूत आधार प्रदान किया है और इस मामले में संस्कृति, भोजन और क्रिकेट विशेष रूप से तीन महत्वपूर्ण चीजें हैं जो भारत को गुयाना से जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की दिवाली विशेष थी क्योंकि श्री राम लला 500 वर्षों के बाद अयोध्या लौटे थे। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों को यह भी याद है कि गुयाना से पवित्र जल और शिलाएं भी अयोध्या में राम मंदिर बनाने के लिए भेजी गई थीं। उन्होंने प्रशंसा की कि महासागरों की दूरी के बावजूद भारत माता के साथ उनका सांस्कृतिक संबंध मजबूत है और इसका अहसास उन्हीं दिन में आर्य समाज स्मारक और सरस्वती विद्या निकेतन स्कूल के दौरे के समय हुआ। श्री मोदी ने कहा कि भारत और गुयाना दोनों को अपनी समृद्ध और विविध संस्कृति पर गर्व है और वे विविधता को समायोजित करने के अलावा इन्हें उत्स व मनाने के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश दिखा रहे हैं कि सांस्कृतिक विविधता उनकी शक्ति है।

भोजन पर अपने विचार व्य क्तृ करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय-गुयाना समुदाय की भोजन संबंधी एक अनूठी परंपरा है, जिसमें भारतीय और गुयाना दोनों की मिली-जुली परम्पसरा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने क्रिकेट के प्रति प्रेम पर चर्चा करते हुए कहा कि क्रिकेट ने हमारे देशों को मजबूती से बांधा है और यह सिर्फ एक खेल नहीं है, बल्कि एक जीवन शैली है, जो हमारी राष्ट्रीय पहचान में गहराई से समाहित है। उन्होंने कहा कि गुयाना में प्रोविडेंस नेशनल क्रिकेट स्टेडियम हमारी मित्रता का प्रतीक है। कन्हाई, कालीचरण, चंद्रपॉल सभी भारत में जाने-माने नाम हैं। श्री मोदी ने कहा कि क्लाइव लॉयड और उनकी टीम कई पीढ़ियों की पसंदीदा रही है। उन्होंने कहा कि गुयाना के युवा खिलाड़ियों का भी भारत में बहुत बड़ा प्रशंसक वर्ग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कई भारतीयों ने इस वर्ष की शुरुआत में वहां आयोजित टी-20 विश्व कप का आनंद लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें आज सुबह गुयाना की संसद को संबोधित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की जननी होने के कारण उन्हें कैरेबियाई क्षेत्र के सबसे जीवंत लोकतंत्रों में से एक के साथ आध्यात्मिक जुड़ाव महसूस हुआ। श्री मोदी ने कहा कि भारत और गुयाना का साझा इतिहास है जिसमें औपनिवेशिक शासन के खिलाफ साझा संघर्ष, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रेम और विविधता के प्रति सम्मान हमें एक सूत्र में पिरोता है। श्री मोदी ने कहा कि हमारा साझा भविष्य है जिसे हम बनाना चाहते हैं। उन्होंने विकास और प्रगति की आकांक्षाओं, अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी के प्रति प्रतिबद्धता और न्यायपूर्ण तथा समावेशी विश्व व्यवस्था में विश्वास पर भी जोर दिया। गुयाना के लोगों को भारत का शुभचिंतक बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत की यात्रा व्यापक, गतिशीली और स्थायित्व की रही है। उन्होंने कहा कि केवल 10 वर्षों में, भारत दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से बढ़कर पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और जल्द ही भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। युवाओं की प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने हमें दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बना दिया है।

जिला स्तरीय मेगा बस्तर ओलंपिक 2024 का भव्य समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। जिला प्रशासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय मेगा बस्तर ओलंपिक प्रतियोगिता का विधिवत समापन विधायक चैतराम अटामी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस दौरान विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल, प्रमाण-पत्र ससम्मान प्रदान किया गया।

मेगा बस्तर ओलंपिक के समापन अवसर पर सम्बोधित करते हुई विधायक श्री अटामी ने कहा कि खेल ऐसा माध्यम है जो हमारे तन-मन को स्वस्थ रखता है और स्वस्थ रहेंगे तभी हम आगे बढ़ने के सभी अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। बस्तर के युवाओं में कई प्रकार की विधाओं में प्रतिभा कूट कूट कर भरा है। खेल विधा के द्वारा व्यक्ति को मानसिक, शारीरिक विकास के साथ-साथ नाम कमाने और रोजगार के अवसर मिलते है। इस अवसर पर उन्होंने सभी वि.ख. मुख्यालय में एक-एक सेट कबड्डी मेट देने की भी घोषणा किया। इसके अलावा अन्य जनप्रतिनिधियों ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

इस दौरान कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने सभी संभाग स्तर के लिए चयनित खिलाड़ियों का संभाग स्तरीय आयोजन के पूर्व 7 दिवस का कोचिंग कैंप रखने को भी कहा।

जिसमें एन.आई.एस. कोच द्वारा उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया जावेगा। इस प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण रायपुर से आये नुक्कड़ कलाकार एवं मुख्य अतिथियों के समक्ष महिलाओं का रस्सा-खीच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महिलाओं की रस्सी खीच प्रतियोगिता में वि.ख. दंतेवाड़ा के मंगनार की महिलाओं ने वि.ख. कटेकल्याण की महिला टीम को शिकस्त दी। ज्ञात हो कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता के दो दिवसीय आयोजन में सभी विकास खंडों कें लगभग 950 खिलाड़ियों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता जूनियर एवं सीनियर महिला एवं पुरुष वर्ग में आयोजित की गई थी। इस के अतिरिक्त हॉकी एवं वेटलिफ्टिंग के लगभग 150 खिलाड़ियों ने सीधे जिला स्तर पर भाग लिया ।

इस आयोजन में तीरंदाजी जूनियर पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान मनीष कुमार वि.ख. गीदम, कराते में प्रथम स्थान रोहन वि.ख. कटेकल्याण, वेटलिफ्टिंग में प्रथम स्थान अक्षत साहू वि.ख. कुआकोंडा एवं कटेकल्याण, कबड्डी वि.ख. दंतेवाड़ा, व्हालीबाल वि.ख. गीदम, खो-खो वि.ख. कटेकल्याण, फुटबॉल वि.ख. कुआकोंडा, हॉकी वि. ख. गीदम विजेता बने।

68वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता, मेजबान छत्तीसगढ़ बना ऑल-ओवर चैम्पियन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा संचालित एवं स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित 68वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में मेजबान छत्तीसगढ़ के बालक-बालिकाओं ने बॉस्केटबॉल 14 वर्ष व 17 वर्ष के तीनों ही आयु वर्ग में विजेता का खिताब जीतकर ओवर-ऑल चैम्पियनशीप पर कब्जा कर लिया है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने तीनों वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। दिग्विजय स्टेडियम के इण्डोर व आऊटडोर बॉस्केटबॉल कोर्ट में खेली जा रही, 68वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन दिवस 22 नवम्बर को खेले गये फाईनल मैच के तहत बॉस्केटबॉल 14 वर्ष बालिका में मेजबान छत्तीसगढ़ ने हरियाणा को 62-48 अंकों से हराकर विजेता बनीं। हरियाणा उप विजेता रही तीसरे व चौथे स्थान के लिए खेले गये मैच में महाराष्ट्र ने दिल्ली को 42-30 अंकों से हराकर कास्य पदक जीता। सेमीफाईनल मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने दिल्ली को और हरियाणा ने महाराष्ट्र को हराया था। बॉस्केटबॉल 14 वर्ष बालक वर्ग के फाईनल मैच में छत्तीसगढ़ ने हरियाणा को 55-42 अंकों से हराकर विजेता बनी। तीसरे एवं चौथे स्थान के लिए खेले गये मैच में राजस्थान ने दिल्ली को 62-27 अंकों से हराकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। सेमीफाईनल मैच में छत्तीसगढ़ ने राजस्थान को 62-49 अंकों से और हरियाणा ने दिल्ली को हराकर फाईनल में पहुंची थी। बालक वर्ग के 17 वर्ष आयु वर्ग के बॉस्केटबॉल के फाईनल मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने तमिलनाडू को 49-37 अंकों से पराजित करते हुए स्वर्ण पदक जीता। तमिलनाडू को रजत पदक मिला। कास्य पदक के लिए खेले गये मैच में राजस्थान ने दिल्ली को 66-40 अंकों से पराजित किया।

गोल्डन चैरियट लग्जरी ट्रेन सफर के लिए तैयार

7 स्टार होटल से कम नहीं है ये गोल्डन चैरियट लग्जरी ट्रेन, चार लाख रुपए तक खर्च करने पड़ेंगे सफर के लिए

नईदिल्ली/रायपुर। भारतीय रेलवे और IRCTC की लग्जरी ट्रेनों में से एक गोल्डन चैरियट लग्जरी ट्रेन एकबार फिर ट्रैक पर उतरने को तैयार है। कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाली Golden Chariot Lu&ury Tourist Train इस बार 14 दिसंबर को रवाना हो रही है। ट्रेन में 13 डबल बेड केबिन, 26 ट्विन बेड केबिन और दिव्यांग मेहमानों के लिए 1 केबिन है। 40 केबिन वाले इस शाही ट्रेन में 80 यात्री सफर कर सकते हैं।

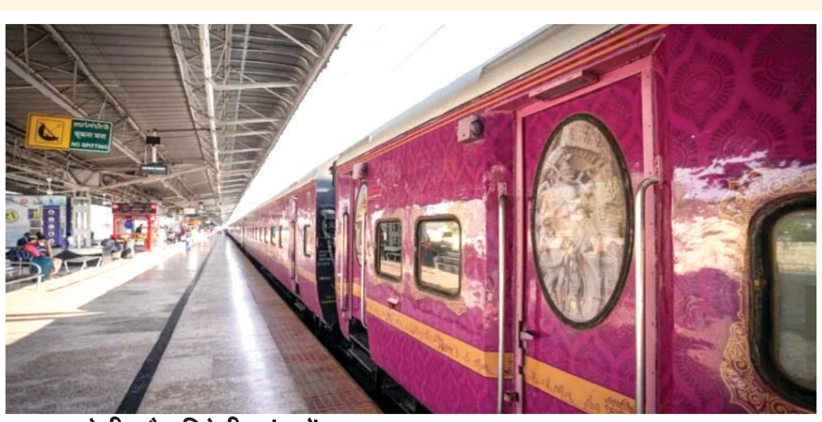

2024-25 के लिए यह है इसका रुट

इस ट्रेन का नाम गोल्डन चैरियट है जिसका मतलब होता है स्वर्ण रथ। यात्रियों को शाही फील देने के लिए ट्रेन के सभी आलीशान केबिन एयर कंडीशनर और वाई-फाई से लैस हैं। केबिन में गद्देदार फर्नीचर, लग्जरियस बाथरूम, आरामदायक बेड, शानदार टीवी जिसमें कई ओटीटी के मजे लिए जा सकते हैं।

देशी और विदेशी व्यंजनों का विशेष प्रबंध

गोल्डन चैरियट लग्जरी ट्रेन में देशी और विदेशी व्यंजनों का विशेष प्रबंध किया गया है। जिसके लिए रुचि और नालापक नाम के दो बेहतरीन रेस्तरां हैं। जहां शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह के व्यंजन इंटरनेशनल ब्रांडों के क्रॉकरी और कटलरी में परोसे जाएंगे। यात्रियों की सेहत और आरामदायक सफर के लिए इस गोल्डन चैरियट ट्रेन में आरोग्य स्पा भी हैं, जहां स्पा थेरेपी समेत कई स्पा का आनंद लिया जा सकता है। यही नहीं सेहत का ख्याल रखने के लिए एक हाइटेक जिम भी है जहां वर्काउट के लिए बेहद आधुनिक एक्सरसाइज मशीने हैं।

पांच दिन के सफर का किराया 4 लाख से ज्यादा

मेहमानों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करने के लिए पूरी ट्रेन सीसीटीवी कैमरे और फायर अलार्म सिस्टम से लैस है। पूरी ट्रेन किसी 7 स्टार होटल से कम नहीं है। लग्जरी ट्रेन 5 रातें और 6 दिन गुजारने के लिए आपको मात्र 4,00,530 और 5% GST देना होगा। जिसमें रहना, खाना, प्रवेश टिकट, गाइड आदि शामिल है। अधिक जानकारी के लिए www.goldenchariot.org वेबसाइट पर विजिट करें या फिर goldenchariot@irctc.com पर अपने सवाल भेजें। साथ ही +91 8585931021 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

2024-25 के लिए यह है इसका रुट

कर्नाटक का गौरव (5 रातें/6 दिन) – बेंगलुरु से शुरू होकर बांदीपुर, मैसूर, हलेबिदु, चिकमंगलूर, हम्पी, गोवा और वापस बेंगलुरु। दक्षिण के रत्न (5 रातें/6 दिन) – बेंगलुरु से शुरू होकर मैसूर, कांचीपुरम, महाबलीपुरम, तंजावुर, चेट्टीनाड, कोचीन, चेरतला और वापस बेंगलुरु।

14 दिसंबर, 2024- कर्नाटक का गौरव (5 रातें/6 दिन)

21 दिसंबर, 2024-दक्षिण के रत्न (5 रातें/6 दिन)

4 जनवरी, 2025- कर्नाटक का गौरव (5 रातें/6 दिन)

1 फरवरी, 2025 -कर्नाटक का गौरव (5 रातें/6 दिन)

15 फरवरी, 2025-दक्षिण के रत्न (5 रातें/6 दिन)

1 मार्च, 2025- कर्नाटक का गौरव (5 रातें/6 दिन)

सौर ऊर्जा से रौशन हुई जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। सौर ऊर्जा ग्रामीण भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए एक आशाजनक समाधान के रूप में उभरा है हाल के वर्षों में सौर ऊर्जा परियोजना बढ़ती ऊर्जा की मांग को पूरा करने के लिए एक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प प्रस्तुत किया है। सूर्य के प्रकाश को तीव्र ताप में बदलने के लिए फोटोवोल्टिक पैनल या सौर तापीय प्रणाली का उपयोग इसके प्रमुख आधार है। देश में सौर ऊर्जा परियोजना बिजली की पहुंच प्रदान करके ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों लोगों के जीवन में बदलाव लाया है। इससे न केवल शिक्षा स्वास्थ्य, कृषि जैसे क्षेत्रों में सुधार हुआ है। वहीं समुदाय का उत्थान कर इसके द्वारा सतत विकास में बड़ी भूमिका निभाई जा रही है।

राज्य सरकार द्वारा संवेदनशील तथा माओवाद प्रभावित क्षेत्रों तक मूलभूत एवं बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से नियद नेल्लानार योजना प्रारंभ की गई है योजना के तहत क्रेडा विभाग द्वारा इन ग्रामों के निवासियों को लाभान्वित किये जाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे है। इसके तहत सोलर हाईमास्ट, सोलर ड्यूल पंप तथा सौर सुजला योजना अन्तर्गत सोलर सिंचाई पंप के संयंत्र यहा स्थापित किए जा रहे है।

खास खबर

हैवी ब्लास्टिंग से मकान क्षतिग्रस्त ग्रामीणों में आक्रोश

कोरबा (ए.)। साउथ ईस्टन कोलफील्ड लिमिटेड एसईसीएल गेवरा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अमगांव, दर्राखांचा, जोकही डबरी के नाराज व आक्रोशित ग्रामीणों ने अपनी संपूर्ण समस्याओं का निराकरण तथा हैवी ब्लास्टिंग से ग्रामीणों के घरों पर पत्थरों, बोल्डर के गिरने से मकान क्षतिग्रस्त कर टूट फूट होने से नाराजगी है। ब्लास्टिंग के समय ग्रामीणों में दहशत का माहौल रहता है। अपने ही घरों से अपनी और खुद के परिवार की सुरक्षा के लिए घर से बाहर निकल जाते हैं।

इन सब विषयों को लेकर एसईसीएल प्रबंधन और डीजीएमएस को पत्र व्यवहार कई मर्तबा कर चुके हैं तथा ब्लास्टिंग को लेकर खदान को बाधित भी कर चुके हैं लेकिन अपनी हरकतों से एसईसीएल प्रबंधन बाज नहीं आ रही है। ब्लास्टिंग के कारण घर में ग्रामीण दहशत के साथ रह रहे हैं। घर की सीट, अल्बेस्टर सीट, खपरैल सब टूट रहे हैं। ग्रामीणों में काफी आक्रोश उत्पन्न हो गया है। आज ग्रामीणों ने अमगांव फेस के ब्लास्टिंग को पूरी तरह ठप्प कर दिये। प्रबंधन की ओर से वार्ता के लिए अभी तक कोई नहीं आया है बल्कि कलिंगा कंपनी के जीएम विकास दुबे ने ग्रामीणों के साथ वार्ता तो किया लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि हमारी लड़ाई एसईसीएल प्रबंधन के साथ है, बात उसी से ही होगा समस्या का समाधान एसईसीएल गेवरा प्रबंधन को ही करना है। बता दे की अमगांव पंचायत में अख्तीबाई बुजुर्ग महिला अपने परिवार के साथ दोपहर के समय घर में थी और उनके घर लगभग खदान से महज 10 मीटर के अंतराल में ही दोपहर के समय इतना जबरदस्त ब्लास्टिंग प्रबंधन के द्वारा कराया गया कि ब्लास्टिंग के पत्थरों का बोल्डर उनके घर में जा गिरा। उनकी जान बाल-बाल बची और उनके घर की घटना को देखकर ग्रामीणों में आक्रोश उत्पन्न हो गया। जिसको लेकर आज खदान के ब्लास्टिंग को बंद करा दिया गया। अभी भी समाचार लिखे जाने तक खदान की ब्लास्टिंग पूरी तरह बंद है व ग्रामीण वहां डटे हुए हैं। 6 महीना समय देने और पूरी व्यवस्थाओं के होने के बाद गांव खाली करेंगे,ऐसा अमगांव पंचायत के ग्रामीणों का कहना है ।

उल्लेखनीय है कि डीजीएमएस के निर्देश का यहां ब्लास्टिंग के मामले में खुला उल्लंघन हो रहा है आबादी क्षेत्र से कम से कम 500 मीटर की दूरी पर ही खदान संचालित करने और ब्लास्टिंग की अनुमति दी गई है लेकिन इसका कोई पालन होता यहां नहीं दिख रहा है डीजीएमएस की टीम को इस क्षेत्र में दौरा करने की जरूरत है वरना आए दिन किसी के साथ घटना दुर्घटना होने का डर हमेशा बना रहेगा।

जशपुर में आधा दर्जन कबाड़ियों पर पुलिस की रेड, कांसे के बर्तन व लाखों रुपए कैश बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में शुक्रवार को कबाड़ियों पर बड़ी कार्रवाई की गई। यहां पर आध दर्जन कबाड़ियों पर रेड कर भारी मात्रा में कांसा, पीतल, तांबे के बर्तनों के साथ लोहा व लाखों रुपए कैश बरामद किया गया। पुलिस ने पूरा कबाड़ व कैश जब्त कर लिया है। सभी प्रकरणों में पुलिस द्वारा धारा 106 BNS के तहत कार्रवाई की जा रही है।

जशपुर जिले के अलग अलग थाना क्षेत्रों में एसपी शशिमोहन सिंह के निर्देश पर अपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से शुक्रवार तड़के पूरे जिले में कबाड़ियों के ठिकानों पर रेड की गई। जिले के शुक्रवार को सुबह 4 बजे पूरे जिले के कबाड़ियों के ठिकानों पर एक साथ दबिश दी गई। पिछले कई दिनों से अवैध कबाड़ का व्यवसाय करने वालों के विरूद्ध शिकायत प्राप्त हो रही थी एवं इनकी गतिविधियों पर पर पुलिस द्वारा लगातार नजर बनाये रखा गया था। उक्त कार्यवाही में संबंधित अनुविभाग के एसडीओपीगण के नेतृत्व में क्षेत्र के थाना प्रभारी सहित भारी संख्या में स्टाफको सम्मिलित किया गया था। अपराधों पर प्रभावी लगाम लगाने के उद्देश्य से आगामी दिनों में सर्च अभियान नियमित रूप से चलाया जायेगा।

22 लाख 30 हजार रुपए नगदी बरामद

तलाशी के दौरान कबाड़ का व्यवसाय करने वाली कांसाबेल निवासी पूनम साहू के कब्जे से 22 लाख 30 हजार रुपए नगदी बरामद किया गया। साथ ही 5 लाख रुपए कीमत के विभिन्न बर्तन, टुल्लू पंप इत्यादि मिले। पूनम साहू के कब्जे से मिले 22 लाख 30 हजार रुपए को लेकर कोई वैध दस्तावेज वह प्रस्तुत नहीं कर सकी इस वजह से रुपए जब्त कर इनकम टैक्स विभाग को सौंपने की तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही कांसाबेल क्षेत्र के ग्राम पोंगरो में युनूस खान एवं आशीष कुमार उर्फ मंटू के ठिकानों पर भी दबिश दी गई।

दो कबाडियों के पास एक ट्रक कबाड़ जब्त

जशपुर जिले के पत्थलगांव थाना क्षेत्र के बड़े कबाड़ी सुन्दर अग्रवाल से 1 ट्रक कबाड़ का सामान तथा पिंटू खान एवं विक्की अग्रवाल के कब्जे से 1-1 पीकअप कबाड़ी सामान जब्त कर धारा 106 BNS के तहत कार्रवाई की गई। इसी प्रकार गिनाबहार (कुनकुरी) के कबाड़ी निजाबुल आलम के गोदान में उसके कब्जे से शासकीय सप्लाई के झूले, रेलिंग सहित अन्य सामान जब्त किया गया है, इसकी भी विस्तृत जांच की जा रही है। इसके अलावा सिटी कोतवाली जशपुर क्षेत्र पुराने कबाड़ी रबूल खान के गोदाम कालेज रोड स्थित, टिपू कबाड़ी के गोदाम विष्णु बगान एवं पंकज कबाड़ी का गोदाम डीपाटोली में भी वृहद सर्च अभियान चलाया गया है।

लोहारीडीह कांडः पुलिस ने अब लिया यू-टर्न

कबीरधाम (ए.)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित लोहारीडीह कांड को लेकर पुलिस ने अब यू-टर्न ले लिया है। दरअसल, जिले के रेंगाखार जंगल क्षेत्र के ग्राम लोहारीडीह में सितंबर माह में आगजनी व एक व्यक्ति को जिंदा जला दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने गांव में ही 167 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिसमें से 68 आरोपी जेल में बंद हैं। अब पुलिस ने मामले को लेकर कोर्ट में चालान पेश किया है, जिसमें 24 लोगों के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिला है। ऐसे में पुलिस ने 24 लोगों की रिहाई के लिए न्यायालय से निवेदन किया है। मामले में पुलिस ने पांच एफआईआर दर्ज की थी, सभी में चालान पेश किए जा चुके हैं। वर्तमान में पुरुष आरोपियों को कवर्धा की जेल व महिलाओं को दुर्ग जेल में रखा गया है।

जेल में बंद 68 आरोपी में से 24 निर्दोष, रिहाई के लिए पहुंची कोर्ट

लोहारीडीह गांव में सितंबर माह में एक सप्ताह के अंदर तीन लोगों की अलग-अलग वजह से मौत हो गई थी। 14 सितंबर की रात शिवप्रसाद साहू उर्फ कचरू की लाश मध्यप्रदेश के बिरसा थाने के क्षेत्र जंगल में पेड़ से लटकी मिली थी। शव मिलने के बाद ग्रामीणों ने हत्या के शक पर पूर्व सरपंच रघुनाथ साहू के घर को आग लगा दी, जिससे रघुनाथ साहू की मौत हो गई। पुलिस ने 33 महिला समेत 69 ग्रामीणों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। इसी बीच 19 सितंबर को हत्या के आरोप में जेल में बंद प्रशांत साहू की जेल में मौत हो गई।

मृतक के बॉडी में गहरे चोट के निशान पाए गए। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशांत साहू की मौत पुलिस पिटाई के चलते जेल में मौत हुई है। इसके बाद सरकार ने जिले के एएसपी आईपीएस विकास कुमार को सस्पेंड किया। रेंगाखार थाना के टीआई समेत सभी पुलिसकर्मियों को भी हटा दिया। इसके अलावा कबीरधाम एसपी व कलेक्टर पर भी गाज गिरी। दोनों का ट्रांसफर किया गया।

शिवप्रसाद की हत्या में चार आरोपी गिरफ्तार

इधर, पुलिस जांच में पता चला कि शिवप्रसाद साहू की हत्या की गई थी। इस मामले में अक्टूबर माह में बिरसा थाना पुलिस (मध्यप्रदेश) ने टेकचंद पिता सनूकलाल पटेल निवासी भेलवाटोला थाना रेंगाखार जिला कबीरधाम, दिनेश कुमार पिता रघुनाथ साहू निवासी ग्राम लोहारीडीह थाना रेंगाखार जिला कबीरधाम, रोमन पिता सनूकलाल साहू उम्र 32, निवासी ग्राम लोहारीडीह थाना रेंगाखार जिला कबीरधाम व राखीलाल पिता सुखराम हिरवाने उम्र 40 वर्ष निवासी बनाफरटोला ग्राम रेलवाही थाना बिरसा बालाघाट (एमपी) को गिरफ्तार किया है। वर्तमान में ये आरोपी बालाघाट के जेल में बंद है।

देवर ने भाभी व भाई पर किया हमला, भाभी की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जिले के परपा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोदल में बुधवार देवर नीलू मंडावी ने अपनी भाभी जयमनी व भाई बोड़कू मंडावी पर हथोड़े से हमला कर दिया। इस घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी नीलू मंडावी फरार हो गया। परिजनों ने घायलों को उपचार के लिए मेकॉज भिजवाया, इलाज के दौरान भाभी जयमनी की मौत हो गई। वहीं भाई बोड़कू मंडावी घायल है, जिसका मेकॉज में उपचार चल रहा है। पुलिस ने आरोपी नीलू मंडावी को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकरी के अनुसार बड़े बोदल स्कूलपारा निवासी बोड़कू मंडावी अपनी पत्नी जयमनी व दो बच्चे गणेश व बेटी अनुराधा के साथ निवासरत है। बोड़कू का छोटा भाई नीलू मंडावी अपनी पत्नी सुको व दो बच्चों के साथ भाई के घर से कुछ दूरी में रहता है। बताया जा रहा है कि करीब साल भर से नीलू मंडावी की दिमागी हालात ठीक नहीं चल रही है। बुधवार की रात को अचानक नीलू बड़े भाई बोड़कू के घर आया। यहां भाभी जयमनी ने उसे खाना खाने की बात कही, जिस पर नीलू ने खाना न खाने की बात कहते हुए बाद में खाने की बात कहकर चला गया। कुछ देर बाद नीलू वापस आया और अपनी भाभी जयमनी के ऊपर हथोड़े से वार करने लगा। पत्नी पर हमला होता देख भाई बीच-बचाव करने के लिए पहुंचा। आरोपी नीलू ने बड़े भाई के ऊपर भी हथोड़े से वार करते हुए फरार हो गया। चीख-पुकार सुनकर आस-पास के लोग घर पहुंचे। घायलों को आस-पास के लोग अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान जयमनी ने दम तोड़ दिया, जबकि भाई को घायल अवस्था मे भर्ती किया गया है। परिजनों ने यह भी बताया कि करीब तीन से चार दिन पहले नीलू ने अपनी पत्नी को धमकाने के चलते अपने मायके आमाडोंगरी पखनार अपने बच्चों को लेकर चली गई थी।

दुर्ग एसपी का इनाम 1000 रुपए कैंपेन छावनी थाना क्षेत्र में पहली कार्रवाई

चाकूबाज ब्रूसली को भेजा जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के एसपी जितेन्द्र शुक्ला द्वारा चाकू व कटरबाजी रोकने के लिए इनाम 1000 रुपए शुरू किया गया है। इसकी घोषणा के बाद जिले के छावनी थाना क्षेत्र पहली कार्रवाई की गई है। छावनी थाना क्षेत्र में कैंप 1 सुंदर नगर निवासी एक युवक ने चाकू लहराते इंस्टा में फोटो अपलोड किया। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई कर युवक को गिरफ्तार किया। थाने में उससे परेड कराई। वहीं सूचना देने वाले को अब एक हजार रुपए इनाम दिया जाएगा।

बता दें दुर्ग जिले में बीते कुछ दिनों से चाकूबाजी व कटरबाजी की घटनाएं तेजी से बढ़ीं हैं। लगातार बदमाशों द्वारा चाकू व कटरबाजी से लोगों को घायल किया जा रहा है। चाकूबाजी व कटरबाजी रोकने के लिए दुर्ग जिले के एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने एक दिन पहले महत्वपूर्ण घोषणा की। एसपी शुक्ला ने हेल्पलाइन नंबर जारी कर चाकू बाज व कटरबाजों की सूचना देने वालों को एक हजार रुपए नगद इनाम देने की घोषणा की। साथ ही सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखने की भी बात कही। एसपी की घोषणा के बाद छावनी पुलिस ने पहली कार्रवाई कर बदमाश को जेल भेजा।

चाकू लहराते फोटो इंस्टा पर किया अपलोड

दरअसल सुंदर नगर कैंप 1 निवासी जे. पवन उर्फ ब्रूसली ने इंस्टा पर एक फोटो अपलोड किया जिसमें वह चाकू के साथ पोज दे रहा है। छावनी पुलिस को इसकी सूचना मिली तो वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी देने के बाद कार्रवाई की गई। पुलिस ने ब्रूसली को हिरासत में लिया और पूछताछ में उसने चाकू वाली फोटो इंस्टा पर अपलोड करना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार किया और थाने उसकी परेड भी कराई। कान पकड़कर उससे माफी मंगवाते हुए दोबारा ऐसा न करने की शपथ कराई गई। ब्रूसली के खिलाफ धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। इस पूरी कार्रवाई में एएसआई विनय रजक, आरक्षक विकास सिंह, तालेन्द्र चन्द्राकर की सराहनीय भूमिका रही है।

प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी भीषण आग

बिलासपुर। शुक्रवार की देर रात एक प्लास्टिक फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। रिहायशी इलाके में फैक्ट्री के पास धुओं का गुबार और आग की लपटें देख घबराए लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद दो दमकल की मदद से आग को काबू में किया गया। आशंका है कि बिजली की शार्ट सर्किट से आग लगी होगी। सिटी कोतवाली और सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सीमावर्ती मोहल्ला मसानगंज स्थित सरजू बगीचा के पास रिहायशी इलाके में प्लास्टिक फैक्ट्री है। बताया जा रहा है कि रात करीब 2.30 बजे गार्ड ने फैक्ट्री में आग की लपटों के साथ धुओं का गुबार उठते देखा। उसने घटना की जानकारी आसपास के लोगों के साथ ही पुलिस कंट्रोल रूम को दी। लेकिन, जब तक दमकल मौके पर पहुंची, तब तक आग ने भीषण रूप ले लिया था। बताया जा रहा है कि जिस जगह पर आग लगी थी, वहां प्लास्टिक का कचरा फैला था। अचानक आग के साथ धुआं उठते दिखा। शुरूआत में लोगों को लगा कि कचरे के ढेर में आग लगी है। लेकिन, देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गई और आसमान धुआं-धुआं हो गया। जानकारी मिलते ही पुलिस ने नगर सेना के आपदा प्रबंधन दल को सूचना दी। जिसके बाद दो दमकल मौके पर भेजा गया।

परिवहन संघ के कार्यालय में बीती रात अज्ञात लोगों ने तोड़-फोड़ की

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जिले के नगरनार थाना क्षेत्र अंतर्गत आमागुड़ा स्थित झाडेश्वर परिवहन संघ के कार्यालय में बीती रात अज्ञात लोगों ने तोड़-फोड़ की। इस मामले की जानकारी लगते ही संघ के लोग मौके पर पहुंचकर इसकी जांच करने की बात कही जा रही है।

बताया जा रहा है कि जगदलपुर से लगे नगरनार क्षेत्र में फिर से परिवहन को लेकर चल रहे विवाद में बीती रात झाडेश्वर परिवहन संघ में तोड़-फोड़ की गई। बताया जा रहा है कि तीन दिन पहले ही बस्तर सांसद और स्थानीय विधायक ने इस दफ्तर का शुभारंभ किया था। आदिवासियों ने इस परिवहन समिति को बनाया है, नगरनार में तैयार होने वाले स्टील का परिवहन करने के उद्देश्य से इसे बनाया गया था। विदित हो कि एनएमडीसी से निकलने वाले लौह उत्पाद के परिवहन को लेकर हाल में विवाद गहरा गया, जिसके बाद समिति के कुछ सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव लाया इसके बाद झाडेश्वर परिवहन सरकारी समिति दो फाड़ हो गई। जारी विवाद के बाद गुरूवार बीती देर रात तोड़-फोड़ की गई। यह भी विदित हो कि वर्ष 2017 का खुटपदर गोलीकांड के बाद से यह गांव काफी चर्चा में था, वहीं बीती रात हुई तोड़-फोड़ के बाद एक बार फिर से उसी तरह की।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जिला पंचायत बालोद के द्वारा योजना के तहत् जिला/जनपद पंचायत स्तर पर रिक्त पदों की पूर्ति किये जाने हेतु विज्ञापन दिनांक 25.09.2024 जारी करते हुए दिनांक 10.10.2024 आवेदन आमंत्रित किया गया था, निर्धारित समयावधि में प्राप्त आवेदनो के सारणीकरण, दावा-आपत्ति एवं दावा-आपत्ति के निराकरण पश्चात् लेखापाल (संविदा), तकनीकी सहायक (संविदा), डाटा एण्ट्री ऑपरेटर (संविदा) पदो की अंतिम पात्र/अपात्र की सूची एवं पदवार तथा वर्गवार मेरिट/वरीयता सूची 1:25 के अनुपात में तैयार कर कौशल/ कम्प्यूटर प्रायोगिक परीक्षा/साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किये जाने की सूचना का प्रकाशन जिला बालोद के वेब-साईट www.balod.gov.in पर किया गया है, जिसका विस्तृत अवलोकन जिले की वेब-साईट पर जाकर डाउनलोड कर किया जा सकता है।

क्रं.	विज्ञापित पद का नाम	दिनांक एवं समय	स्थान
1	तकनीकी सहायक	26.11.2024, प्रातः 09.00 बजे से	शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालोद
2	लेखापाल	27.11.2024, प्रातः 09.00 बजे से	शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालोद
3	डाटा एण्ट्री ऑपरेटर	28.11.2024, प्रातः 09.00 बजे से	शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालोद

S-42182/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बेमेतरा
शीतला मंदिर के पास सिंघौरी, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

E-mail Id- eeres.bemetara@gmail.com Phone No. 07824222332

क्र./3570/का. अभि / वलेलि /ग्रा.यां. सेवा/2024-25 बेमेतरा, दिनांक 20/11/2024

सामग्री निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 06
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से मनरेगा एवं अन्य योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्यों के लिये सामग्री प्रदाय हेतु लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत् पंजीकृत ठेकेदार अथवा वाणिज्यिकार विभाग में साग्रमी प्रदाय हेतु पंजीकृत फर्म / डीलर से कार्य विभाग मैनुअल के अपेडिक्स 2.15 के अनुसार प्रपत्र "सी" में स्पीड पोस्ट अथवा पंजीकृत डाक द्वारा दो लिफाफा पद्धति में **दिनांक 05.12.2024 को अपरान्ह 5.30 बजे तक** निविदा आमंत्रित की जाती है ।

प्राप्त निविदाएं **दिनांक 06.12.2024 को अपरान्ह 12.30 बजे** उपस्थित निविदाकारों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के सक्षम खोली जावेंगी ।

निविदा दस्तावेज कार्यालय द्वारा विक्रय नहीं किया जावेगा, ऑनलाईन पोर्टल **http://cg.nic.in/resworks** पोर्टल जिसे निविदा विज्ञप्ति में दर्शाया गया है दिनांक 21.11.2024 से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालय अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है ।

(महाजन बांधड़े)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग - बेमेतरा
जिला - बेमेतरा (छ. ग.)

जी-242503977/5

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030

Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more

पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

रीजनल कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री साय ने की घोषणा

छत्तीसगढ़ में शुरू होगी 'मुख्यमंत्री गुड गवर्नेंस फेलो योजना'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को रायपुर में 'गुड गवर्नेंस' विषय पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए प्रदेश में ''मुख्यमंत्री गुड गवर्नेंस फेलो योजना' शुरू करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ सरकार आईआईएम रायपुर के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के मूलनिवासी छात्रों के लिए पब्लिक पॉलिसी एण्ड गवर्नेस में मास्टर पाठ्यक्रम शुरू करेगी। इसके लिए छात्रों का चयन कैट के माध्यम से किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस योजना में आईआईएम रायपुर में कक्षाओं के साथ-साथ छात्रों को छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों में व्यवहारिक अनुभव भी दिया जाएगा।

पाठ्यक्रम की पूरी फीस राज्य सरकार वहन करेगी, साथ ही छात्रों को निर्धारित मासिक स्टायफंड प्रदान करेगी। यह योजना शासन में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के साथ-साथ राज्य के युवाओं को उच्च स्तरीय शिक्षा और प्रायोगिक अनुभव का अवसर प्रदान करेगी। इसका उद्देश्य छत्तीसगढ़ में पेशेवरों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो सरकार, एनजीओ, थिंक टैंक और निजी क्षेत्र के साथ मिलकर गवर्नेस को बेहतर बनाने के क्षेत्र में काम करेगी।

देशभर से पहुंचे अधिकारियों का किया अभिनंदन

मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन में देश भर से आए हुए वरिष्ठ अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों, सुधीजनों का छत्तीसगढ़ के नागरिकों की ओर से हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि आप लोगों ने देश के विभिन्न राज्यों में चल रहे बेस्ट प्रेक्टिसेस को एक दूसरे से साझा किया है। सबने मिलकर सुशासन के क्षेत्र में परस्पर सहयोग और भागीदारी को बढ़ाने के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया है। इन दो दिनों के दौरान आप लोगों ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सुशासन की स्थापना की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के बारे में काफी कुछ जाना और समझा होगा।

राजनैतिक विचारधारा के मूल में ही सुशासन

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जैसा कि आप लोग जानते हैं कि हम लोगों की राजनैतिक विचारधारा के मूल में ही सुशासन का विचार है। हमारे पुराणों में जिसे रामराज कहा गया है, उसे ही हम सुशासन कहते हैं। सर्वे भवन्तु सुखिन: हमारा मूलमंत्र है। अंत्योदय और एकात्म मानववाद हमारा राजनैतिक दर्शन है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी हमारे प्रेरणा पुरूष हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने नेतृत्व में हम सुशासन के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ की अधिक से अधिक से भागीदारी के लिए प्रयासरत हैं। हमारा 44 प्रतिशत भू-भाग घने जंगलों से आच्छादित है, इसलिए भारत के पर्यावरण और जैव विविधता को बचाए रखने की महती जिम्मेदारी भी हम पर है। इन सबके साथ-साथ राज्य की जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को बचाए रखना भी हमारा प्राथमिक कर्त्तव्य है।

बस्तर और सरगुजा जैसे जनजातीय क्षेत्रों पर विशेष फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा विशेष फोकस बस्तर और सरगुजा जैसे जनजातीय क्षेत्रों पर है। हम इन स्थलों पर पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विकास करने के साथ-साथ मूलभूत अधोसंरचनात्मक विकास भी कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने हाल ही में बस्तर के कांगेर वेली के गांव धुड़मारास को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के रूप में विकसित करने के लिए विश्व के चुनिंदा 20 गांवों में शामिल किया है। इससे हम बहुत उत्साहित हैं। हमने वनोंपजों और कृषि उपजों के स्थानीय प्रसंस्करण को भी आर्थिक विकास की अपनी रणनीति में अत्यंत महत्वपूर्ण घटक के रूप में शामिल किया गया है।

आम आदमी तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन द्वारा बनाई गई योजनाओं, कार्यक्रमों, नीतियों और सेवाओं की आम आदमी तक पहुंच के लिए जानकारियों और सूचनाओं की आम आदमी तक पहुंच सबसे प्राथमिक जरूरत है। नक्सलवाद पीड़ित क्षेत्रों में सुरक्षा कैम्पों की स्थापना के साथ-साथ अंदरूनी गांवों में सभी तरह की मूलभूत अधोसंरचनाओं, केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं और सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए राज्य शासन द्वारा नियद नेल्ला नार योजना संचालित की जा रही है। यह गोंडी भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ होता है-आपका अच्छा गांव।

पीएम मोदी की योजनाओं से मिली ताकत

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए शुरू की गई पीएम जनमन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से हमें और भी ज्यादा ताकत मिली है। प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जैसी योजनाओं ने भी राज्य शासन द्वारा सुशासन की स्थापना की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को तेज किया है। राज्य सरकार ने 11 महीनों के अल्प समय में अधोसंरचना के विकास में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, इनमें आप जैसे संवेदनशील और छत्तीसगढ़ की जरूरतों को समझने वाले अधिकारियों की भी भागीदारी है।

सुशासन का अर्थ पारदर्शिता और जवाबदेही : केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह

केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन स्थापित करने के साथ ही विकास में जनभागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विजन डाक्यूमेंट 2047 तक आजादी का अमृत महोत्सव तैयार किया है। उन्होंने कहा कि सुशासन का अर्थ पारदर्शिता और जवाबदेही है। सभी मंत्रालयों का आपस में समन्वय हो और वे एक दूसरे से सतत संपर्क स्थापित करते हुए निरंतर नवाचार की ओर उन्मुख रहते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राही तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करें। इस तरह के आयोजन से व्यक्तिगत संपर्क बढ़ता है और एक दूसरे की संस्कृति का आदान प्रदान होता है ।

हमने अपनी नई उद्योग नीति लांच की

मुख्यमंत्री साय ने कहा हमने राज्य में समृद्ध खनिज संपदा, औद्योगिक विस्तार, कृषि विस्तार के साथ-साथ यहां के प्राकृतिक और सांस्कृतिक सौंदर्य को भी महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में चिन्हित किया है। हम राज्य के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सुशासन को भी महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में देख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने अपनी नई उद्योग नीति लांच की है, इसमें पर्यटन के विकास को भी प्रोत्साहित किया गया है। बस्तर जैसे जनजातीय क्षेत्रों में उद्योगों के लिए जमीन की उपलब्धता एक चुनौती होती है। ऐसे में इन क्षेत्रों का प्राकृतिक और सांस्कृतिक सौंदर्य वहां के लिए एक बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा। रोजगार और आय में बढ़ोतरी के अवसर निर्मित होंगे। लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठेगा। राज्य में हम एक बड़े टूरिज्म सर्किट के निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं।

केन्द्र सरकार हमारे प्रस्तावों पर गंभीर

मुझे इस बात की खुशी है कि केन्द्र सरकार द्वारा हमारे प्रस्तावों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाता है और तत्परता के साथ सहयोग किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन का परम लक्ष्य है-प्रत्येक नागरिक के जीवन को सुख-सुविधाओं से संतृप्त करना। विगत 11 महीनों में लगभग 31 हजार करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाएं, कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाएं हमें मिली हैं। हवाई सेवाओं का विस्तार भी हुआ है। सरगुजा में नये एयरपोर्ट का शुभारंभ हुआ है, राज्य में एयरपोर्टों की संख्या बढ़कर 04 हो गई है। परसों ही रायपुर से दुबई और सिंगापुर के लिए हवाई सेवा शुरू करने के लिए भारत सरकार ने हरी झंडी दे दी है।

डबल इंजन की सरकार से बढ़ रहे आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार होने से हम इस लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 11 महीनों में हमने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए शासन-प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित की है। सभी विभागों में प्रक्रियाओं को आसान बनाते हुए, सेवाओं के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म तैयार किए गए हैं। यह सुनिश्चित किया गया है कि नागरिकों के काम समय-सीमा में हों, शासन तक उनकी आसान पहुंच हो, शिकायतों का निराकरण तेजी हो, लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं को मजबूती मिले।

ई-सिस्टम से घर बैठे हो रहे सभी काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 11 महीनों में हमने ई-ऑफिस प्रणाली, मुख्यमंत्री कार्यालय ऑनलाइन पोर्टल, मंत्रालय में प्रवेश के लिए स्वागतम पोर्टल, खनिजों के लिए ऑनलाइन परमिशन, सुगम ऐप के माध्यम से घर बैठे रजिस्ट्री, उद्योग व्यापार के लिए सिंगल विंडो सिस्टम, ऑनलाइन ले-आउट एण्ड बिल्डिंग परमिशन, अटल मॉनिटरिंग पोर्टल, वन विभाग में लकड़ियों की ऑनलाइन बिक्री, शासकीय आवश्यकताओं की सामग्री की जैम पोर्टल के माध्यम से खरीदी अनिवार्य करने जैसे अनेक कदम उठाए हैं।इसी दिशा में किए जा रहे प्रयासों के अंतर्गत हमने राज्य में अपनी सरकार के गठन के तुरंत बाद एक नये विभाग, सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया है। वर्ष 2028 तक हम राज्य की जीएसडीपी को 5 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ करने का लक्ष्य लेकर पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

ई बुक मिनिमम गवर्नमेंट मैक्सिमम गवर्नेंस का विमोचन

कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने सुशासन पर आधारित ई बुक मिनिमम गवर्नमेंट मैक्सिमम गवर्नेंस का विमोचन भी किया। सम्मेलन में गुड गवर्नेंस की बेस्ट प्रेक्टिसेस, नागरिक सशक्तिकरण, शासन-प्रशासन के कामकाज और नागरिक सेवाओं की आम जनता तक पहुंच को आसान बनाने के लिए विभिन्न ई-प्लेटफार्म के उपयोग आदि से संबंधित विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला को प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के सचिव व्ही. श्रीनिवास एवं छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने भी सम्बोधित किया।

प्रदेश के 6 स्वास्थ्य केंद्रों को प्रदान किया गया एनक्यूएएस सर्टिफिकेशन, स्वास्थ्य मंत्री ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने वाले राज्य के पांच आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र व एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS – National Quality Assurance Standard) प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने नवम्बर माह में ही इन छ: स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर मरीजों के लिए उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता का परीक्षण किया था। टीम ने इस संबंध में मरीजों से भी फीडबैक लिया था। स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम के मूल्यांकन में महासमुंद ज़िले के प्राथमिक स्वस्थ्य केंद्र लंबर को 94.24प्रतिशत, नारायणपुर ज़िले के आयुषमान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र करमरी को 91.87त्न व एड्का को 86.08प्रतिशत के साथ कांकेर जिले के आयुषमान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र अर्रा को 95.03 प्रतिशत, तेलगरा को 93.53त्न व पर्रेकोदो को 89.81प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं ।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने समर्पित स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उत्कृष्टता प्रमाण पत्र हासिल करने वाले इन सभी अस्पतालों के डॉक्टरों और अन्य मेडिकल स्टॉफ को बधाई दी है। उन्होंने भरोसा जताया है कि ये अस्पताल आगे भी अपनी उत्कृष्टता बरकरार रखते हुए मरीजों की सेवा करेंगे और प्रदेश के दूसरे अस्पतालों के लिए नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। दूरस्थ अंचलों में स्थित शासकीय अस्पतालों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र मिलना इस बात का संकेत है कि राज्य में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं सभी क्षेत्रों तक पहुंच रही हैं।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान करने के पूर्व विशेषज्ञों की टीम द्वारा अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का विभिन्न मानकों पर परीक्षण किया जाता है। इनमें उपलब्ध सेवाएं, मरीजों के अधिकार, इनपुट, सपोर्ट सर्विसेस, क्लिनिकल सर्विसेस, इन्फेक्शन कंट्रोल, गुणवत्ता प्रबंधन और आउटकम जैसे पैरामीटर शामिल हैं।

इन कड़े मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किए जाते हैं।

भगवान महावीर के विचार समूची मानवता के लिए हैं प्रेरणास्त्रोत : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के दादाबाड़ी में आयोजित भगवती दीक्षा और मोक्ष माला कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने दादाबाड़ी में भगवान ऋषभदेव की आरती कर प्रदेश की जनता की सुख-समृद्धि और उन्नति के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह भगवान महावीर के विचारों की ही शक्ति है कि पीढ़ी दर पीढ़ी उनके मूल्यों को लेकर जैन समाज आगे बढ़ रहा है। महावीर स्वामी के विचार केवल जैन धर्म के अनुयायियों के लिए ही नहीं बल्कि समूची मानवता के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सभी जैन मुनियों का आशीर्वाद लिया और कहा कि यह छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि पूरे देश से जैन मुनि यहां आए है।

उन्होंने दीक्षा ग्रहण करने वाले मुमुक्षु भाई अरिहंत जी, मुमुक्षु भाई नीलेश जी तथा मुमुक्षु बहन निकिता जी और उनके परिजनों का अभिनंदन किया।

श्री साय ने कहा कि जैन समाज का सौभाग्य है कि समाज के युवा धर्म को आगे बढ़ाने दीक्षा ग्रहण कर रहे हैं। श्री साय ने कहा कि यह क्षण समूचे समाज के लिए प्रेरणादायक है। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, पूर्व संसदीय सचिव लाभचंद बाफना, ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कांकरिया और जैन मुनिगण और जैन समाज के अनुयायी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बिलासपुर में 143 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बिलासपुर को 143 करोड़ 68 लाख रुपए की लागत के अनेक विकास कार्यों की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान सकरी रोड, मिनोचा रोड, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, मिनी स्टेडियम, सिटी कोतवाली के पास निर्मित मल्टीलेवल पार्किंग और अरपा नदी तट पर निर्मित राम सेतु मार्ग का लोकार्पण करेंगे। श्री साय इस मौके पर लाल बहादुर शास्त्री स्कूल में राउत नाचा महोत्सव में शामिल होंगे।

सीएम एम साय बिलासपुर दौरे पर अरपा उत्थान और तट संवर्धन प्रोजेक्ट का लोकार्पण करेंगे। इसके अंतर्गत अरपा नदी के दांयी तरफ की सड़क का नाम रामसेतु मार्ग रखा गया है। रामसेतु मार्ग की लागत 49 करोड़ 98 लाख रूपये है, जिसमें फूटपाथ, डिवाइडर, स्ट्रीट लाइट, रिटेनिंग वॉल, पीचिंग और सौंदर्यीकरण कार्य शामिल है। इसके साथ ही 29 करोड़ 76 लाख की लागत से साढ़े तीन एकड़ में कोतवाली थाना परिसर में तीन मंजिला मल्टीलेवल कार पार्किंग का भी सीएम साय लोकार्पण करेंगे। यहां ग्राउंड फ्लोर के अलावा सभी फ्लोर में पार्किंग की सुविधा दी गई है जिसमें 192 कार और 325 बाइक एक साथ पार्क की जा सकेगी। ग्राउंड फ्लोर को कमर्शियल कांप्लेक्स के तौर पर विकसित किया गया है जिसमें 46 दुकानों का निर्माण किया गया है।

मिनी स्टेडियम

शहर के पुराने और प्रतिष्ठित शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला मल्टीपरपज़ स्कूल के मैदान को संवार कर बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा 21 करोड़ 79 लाख रूपये की लागत से मिनी स्टेडियम का निर्माण किया गया है, जिसमें 14115 वर्ग मीटर का सर्व सुविधायुक्त क्रिकेट मैदान है जिसकी दर्शक क्षमता 850 है। यहां डे-नाईट मैच खेलने की सुविधा है। यहां इनडोर गेम्स जैसे स्नूकर, बिलियर्ड्स, टेबल टेनिस, स्क्वैश खेलने की सुविधा के साथ-साथ आधुनिक जिम बनाया गया है। इसके अलावा ट्रेनिंग हॉल का निर्माण किया गया है। इसी भवन में अलग से वीआईपी गैलरी,एनाउंसमेंट बॉक्स और पेंट्री रूम के साथ ही यहां बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के लिए एक हॉस्टल बनाया गया है। यहां दो लॉन टेनिस कोर्ट बनाया गया है।

स्पोर्ट्स कांप्लेक्स

14 करोड़ 60 लाख रूपये की लागत से संजय तरण पुष्कर परिसर में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का निर्माण किया गया है, इस तीन मंजिला इस स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के बेसमेंट में पार्किंग, ग्राउंड फ्लोर में रिसेप्शन और रेस्टोरेंट संचालित होगा। प्रथम तल में बैडमिंटन, स्क्वैश कोर्ट, टेबल टेनिस, स्नूकर, बिलियर्ड्स, द्वितीय तल में मल्टीपरपज हॉल, योगा, मैट गेम की सुविधा है। तीसरे तल में मनोरंजन की अनेक सुविधाएं है। उल्लेखनीय है कि बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा शहर में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तीन बड़े प्रोजेक्ट पर काम किया गया है, जिनमें पिंक प्ले ग्राउंड का लोकार्पण पहले ही किया जा चुका है।

उस्लापुर-सकरी सड़क

उस्लापुर रेल्वे ओव्हरब्रिज से लेकर सकरी बाईपास चौक तक 15 करोड़ 87 लाख की लागत से नगर निगम द्वारा सवा चार किमी सड़क का उन्नयन और चौड़ीकरण किया गया है। सड़क चौड़ीकरण और उन्नयन होने से राहगीरों को काफी राहत मिली है और ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिली है। उन्नयन और चौड़ीकरण के तहत मार्ग की चौड़ाई बढ़ाई गई है, डिवाइडर बनाया गया है, स्ट्रीट लाइट और दोनों तरफ नाली निर्माण भी किया गया है।

मिनोचा कॉलोनी सहित अन्य रोड

11 करोड़ 68 लाख की लागत से शहर के विभिन्न सड़कों का डामरीकरण, उन्नयन, साइनेज, मिनोचा कॉलोनी रोड और रोटरी शामिल है, जिसमें प्रमुख रूप से महावीर नगर चौक से उस्लापुर ओव्हर ब्रिज तक 800 मीटर सड़क, डिवाइडर, स्ट्रीट लाइट और रोटरी शामिल है। शहर के विभिन्न सड़कों का डामरीकरण, साइनेज, रोड मार्किंग के कार्य शामिल हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950